[न रिश्वत लेंगे, न रिश्वत देंगे] मुंबई, शुक्रवार, 10 जुलाई 2026 । मूल्य 0.00, कुल पृष्ठ 5 [वर्ष: 12, डिजिटल अंक: 253, प्रधान संपादक : पवन जैन पदमावत] +91-9594542679 www.padmavatmedia.in padmavatmedia@gmail.com

दैनिक हिन्दी राष्ट्रीय डिजिटल समाचार पत्र

Reg. No. MH180326353

पदमावत मीडिया

डिजिटल संस्करण महाराष्ट्र व राजस्थान से प्रकाशित

अनमोल वचन

कबिरा आप ठगाइये, और न ठगिये कोय। आप ठगे सुख होत है, और ठगे दुख होय?

मुस्कान के पीछे का घाव... 02

03 बालिकाओं को महिला सुरक्षा....

खबर संक्षेप

प्रभारी सचिव ने शहरी सेवा शिविर का किया निरीक्षण

सलूंबर @ पदमावत मीडिया। नगर परिषद सलूंबर में आयोजित शहरी सेवा शिविर-

2026 का प्रभारी सचिव खजान सिंह ने निरीक्षण कर विभिन्न विभागों के काउंटरों का जायजा लिया। उन्होंने लाभार्थियों से संवाद कर सेवाओं की गुणवत्ता का फीडबैक लिया तथा अधिकारियों को सभी आवेदनों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शिविर में नगर परिषद की ओर से 5 स्टेट ग्रांट एक्ट पट्टे, 3 पट्टे, 7 नामांतरण, 1 निर्माण स्वीकृति, 2 लीज मुक्ति प्रमाण पत्र, 22 जन्म प्रमाण पत्र तथा विवाह प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

ग्रामीण सेवा शिविर में कालबेलिया समाज को आबादी विस्तार की सौगात

सलूंबर @ पदमावत मीडिया। सेमारी उपखंड की ग्राम पंचायत सदकड़ी उपला फला में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर में

कालबेलिया समाज के पात्र परिवारों को आबादी विस्तार के आदेश जारी कर मौके पर ही आदेश पत्र वितरित किए गए। उपखंड अधिकारी सर्वेश्वर निंबार्क ने लाभार्थियों को आदेश सौंपते हुए कहा कि शिविरों के माध्यम से वर्षों पुरानी समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा रहा है। आबादी विस्तार आदेश मिलने पर लाभार्थियों ने राज्य सरकार और जिला प्रशासन का आभार जताया। शिविर में तहसीलदार डूंगरलाल प्रजापत सहित राजस्व विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

70 वर्षीय बुजुर्ग के राजस्व रिकॉर्ड में हुई त्रुटि का समाधान

सलूंबर @ पदमावत मीडिया। सेमारी उपखंड की ग्राम पंचायत सदकड़ी उपला फला में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर में

राजस्व विभाग ने 70 वर्षीय रमेशचंद्र मीणा के राजस्व रिकॉर्ड में वर्षों पुरानी नाम संबंधी त्रुटि का मौके पर ही निस्तारण किया। उपखंड अधिकारी ने राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम की धारा 136 के तहत रिकॉर्ड संशोधित कर आदेश की प्रति लाभार्थी को सौंपी। लाभार्थी ने समस्या के त्वरित समाधान पर राज्य सरकार और जिला प्रशासन का आभार जताते हुए कहा कि ग्रामीण सेवा शिविरों से गांव में ही सरकारी सेवाओं का लाभ मिल रहा है, जिससे समय और धन दोनों की बचत हो रही है।

प्रभारी सचिव ने ग्रामीण सेवा शिविर का किया निरीक्षण

सलूंबर @ पदमावत मीडिया। पंचायत समिति सलूंबर की ग्राम पंचायत उथरदा में

आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर का प्रभारी सचिव खजान सिंह ने निरीक्षण कर विभागीय स्टॉलों और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने लाभार्थियों से संवाद कर योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली और अधिकारियों को समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण सेवाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शिविर में 4 आवासीय पट्टे, 5 मंगला पशु बीमा पॉलिसियां तथा एक क्षय रोगी को पोषण किट वितरित की गई। साथ ही विभिन्न विभागों ने आवेदन स्वीकार कर पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही योजनाओं का लाभ प्रदान किया।

राजस्व चोरी के खिलाफ लें सख्त एक्शन : मुख्यमंत्री

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि राजस्व संग्रहण प्रदेश की उन्नति और जनकल्याण का आधार है। राजस्व की चोरी किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि राजस्व अर्जन से जुड़े सभी विभाग निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करने के लिए वित्तीय वर्ष की पहली से अंतिम तिमाही तक राजस्व संग्रहण में समान गति बनाए रखें।

मुख्यमंत्री गुरुवार को राजस्व अर्जन से संबंधित विभागों की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि राजस्व चोरी के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए,जिसका असर धरातल पर दिखाई देना चाहिए।उन्होंने कहा कि कर संग्रहण प्रणाली में सुधार के उद्देश्य से तकनीकों एवं नवाचारों के साथ अधिकारी डिकॉय ऑपरेशन्स कर टैक्स चोरी पर अंकुश लगाएं। साथ ही, अन्य राज्यों की कर प्रणालियों का अवलोकन कर प्रदेश में बेस्ट प्रेक्टिसेज लागू करें।

उन्होंने कहा कि कर प्रणाली में नवीन तकनीकों का समावेश करें, जिससे राजस्व लक्ष्यों की प्राप्ति सरल और सुगम हो। उन्होंने विभिन्न न्यायालयों में लंबित वादों की प्रभावी पैरवी के भी निर्देश दिए। उन्होंने जीएसटी के संबंध में रिटर्न फाइलिंग कम्पाइलेंस को सख्ती से लागू करने के लिए निर्देशित किया।

जीपीएस आधारित सिस्टम से खनन पर रखें प्रभावी निगरानी

मुख्यमंत्री ने आबकारी विभाग को अवैध शराब पर ठोस कार्रवाई करने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि अवैध शराब के परिवहन में जब्त वाहनों पर शीघ्र कार्यवाही करते हुए समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, उन्होंने पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग को पंजीयन प्रक्रिया मेंजियो टैगिंग का उपयोग करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि पंजीयन से संबंधित प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण किया जाए।उन्होंने कहा कि प्रदेश में अवैध खनन पर पूरी तरह से रोकथाम लगाई जाए। इसके लिए खान एवं पेट्रोलियम विभाग ई-रवन्ना प्रक्रिया में जीपीएस एवं सीसीटीवी आधारित तकनीक को प्रभावी रूप से लागू करें, ताकि अवैध खनन पर पूरी निगरानी रखी जा सके।

परिवहन विभाग बरते सख्ती, अवैध वाहनों पर कसे शिकंजा

मुख्यमंत्री ने कहा कि परिवहन विभाग सख्ती के साथ कार्य करें तथाअवैध वाहनों पर कड़ा शिकंजा कसें। उन्होंने कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वालों पर किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाए तथा विभागीय अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। साथ ही, उन्होंने वाहन बॉडी निर्माण करने वाले अपंजीकृत संस्थानों पर भी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

श्रमिक कल्याण से जुड़े सेस संग्रहण को बनाएं सुदृढ़

मुख्यमंत्री ने श्रम विभाग को निर्माण कार्यों पर देय सेस की प्रभावी वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि श्रमिक

कल्याण से जुड़ी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सेस संग्रहण को और सुदृढ़ बनाया जाए। इसके लिए प्रदेश में संचालित निर्माण कार्यों की मॉनिटरिंग की जाए एवं सेस संग्रहण की प्रत्येक माह में समीक्षा की जाए।

उन्होंने यूआईटी के माध्यम से नई आवासीय योजनाओं का प्लान शीघ्र तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन प्लान में पेयजल, सीवरेज, विद्युत, पार्क और पार्किंग सहित सभी मूलभूत एवं आधुनिक सुविधाओं का समुचित ध्यान रखा जाए, ताकि नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण एवं सुव्यवस्थित आवासीय वातावरण उपलब्ध हो सके। उन्होंने राजस्व विभाग को भूमि उपयोग परिवर्तन (लैंड यूज चेंज) की प्रक्रिया में नीतिगत सुधार करते हुए इसे अधिक सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध बनाने के लिए निर्देशित किया।

जीरो टॉलरेंस की नीति एवं तकनीकी नवाचारों से बढ़ रहा राजस्व संग्रहण

बैठक में बताया गया कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 33 हजार 969 करोड़ रुपये की राजस्व प्राप्ति हुई है, जो कि पिछले वर्ष की पहली तिमाही की तुलना में 11.54 प्रतिशत अधिकहै। सरकार द्वारा फर्जी करदाताओं, रिपीट ऑफेंडर्स के संबंध में निरंतर कार्रवाई की जा रही है। राजस्थान फेसलैस स्क्रूटनी लागू करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है तथाजीएसटी रिटर्न फाइलिंग में देश में तीसरे स्थान पर है। वहीं, आबकारी विभाग द्वारा मुखबिर योजना के प्रभावी क्रियान्वयन,आईजी स्टाम्प द्वारा ई-पंजीयन प्रक्रिया और खान एवं पेट्रोलियम विभाग द्वारा खनन पर निगरानी के लिए जीपीएस आधारित तकनीकी नवाचारोंके माध्यम से पारदर्शिता सुनिश्चित करते हुए राजस्व संग्रहण प्रणाली को सुदृढ़ किया जा रहा है।

इस दौरान मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव खान एवं पेट्रोलियम अपर्णा अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव नगरीय विकास एवं आवासन आलोक गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गालरिया, प्रमुख शासन सचिव राजस्व एवं उपनिवेशन टी. रविकान्त, प्रमुख शासन सचिव परिवहन भवानी सिंह देथा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

7 हजार किलो एक्सपायर्ड चाय पत्ती जब्त, 19 लाख का माल सीज; खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

सलूंबर । राज्य सरकार के शुद्ध आहार- मिलावट पर वार अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए परशुराम चौक, अदकालिया स्थित मैसर्स विजवा ट्रेडिंग कंपनी पर छापेमारी कर करीब 7,000 किलोग्राम अवधि पार (एक्सपायर्ड) चाय पत्ती जब्त की। जब्त चाय पत्ती की अनुमानित बाजार कीमत करीब 19 लाख रुपये आंकी गई है। मामले में जांच के लिए पांच नमूने भी लिए गए हैं।

जिला कलेक्टर मोहम्मद जुनेद पी.पी. तथा अभिहित अधिकारी (खाद्य सुरक्षा) एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. महेंद्र परमार के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा अधिकारी घनश्याम सिंह सोलंकी के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई।

निरीक्षण के दौरान फर्म में 198 बैगों में रखी एक्सपायर्ड चाय पत्ती मिली। जांच में सामने आया कि उक्त चाय पत्ती को मशीनों के माध्यम से अलग-अलग पैकिंग में 'वाघसवरी' ब्रांड नाम से पैक कर बिक्री के लिए तैयार किया जा रहा था। खाद्य सुरक्षा मानकों के उल्लंघन की आशंका को देखते हुए संपूर्ण स्टॉक को जब्त कर विभिन्न बैचों के पांच नमूने जांच के लिए

लिए गए। जांच के दौरान कई अन्य गंभीर अनियमितताएं भी सामने आईं। फर्म के पास निर्धारित श्रेणी का लाइसेंस नहीं था और रिटेलर श्रेणी के लाइसेंस पर ही पैकिंग एवं निर्माण कार्य किया जा रहा था। इसके अलावा कर्मचारियों के स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र, पेस्ट कंट्रोल प्रमाण-पत्र तथा एक्सपायर्ड सामग्री को निमार्ता कंपनी को लौटाने से संबंधित कोई दस्तावेज भी उपलब्ध नहीं मिला। डॉ. महेंद्र परमार ने बताया कि फर्म को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा-32 के तहत सुधार (इम्प्रूवमेंट) नोटिस जारी किया जाएगा। निर्धारित समय में कमियां दूर नहीं करने पर लाइसेंस निरस्त कर अधिनियम के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने बताया कि सभी नमूनों को जांच के लिए जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। जांच रिपोर्ट के आधार पर संबंधित फर्म के विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी।

डॉ. परमार ने कहा कि एफएसएसएआई के नए नियमों के तहत भ्रामक प्रचार-प्रसार वाले खाद्य उत्पादों से उपभोक्ताओं को सतर्क रहना चाहिए। उन्होंने आमजन से अपील की कि खाद्य पदार्थों में मिलावट या संदिग्ध गतिविधियों की सूचना सुगम पोर्टल 181 अथवा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के कंट्रोल रूम को दें। राज्य सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत मिलावटखोरों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। कार्रवाई के दौरान प्रशिक्षु खाद्य सुरक्षा अधिकारी राकेश पुष्करणा, निशा मीणा तथा सहायक शूरवीर सिंह भी मौजूद रहे।

15 हजार रुपये की रिश्वत लेते अधीक्षक गिरफ्तार

हैदराबाद/महबूबनगर @ पदमावत मीडिया। तेलंगाना एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने महबूबनगर जिले के सर्वे एवं भूमि अभिलेख विभाग के अधीक्षक बोम्मिरेड्डी वेंकटेश्वर रेड्डी को 15 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी पर गांव के मानचित्र में संशोधन संबंधी फाइल आगे बढ़ाने के बदले रिश्वत मांगने का आरोप है। एसीबी ने जाल बिछाकर कार्रवाई करते हुए रिश्वत की राशि बरामद की। आरोपी के विरुद्ध भ्रष्टाचार निरोधक कानून के तहत मामला दर्ज कर उसे विशेष अदालत में पेश किया जाएगा। मामले की जांच जारी है।

पूर्व विधायक दीप नारायण सिंह यादव पर ईडी की छापेमारी

प्रयागराज @ पदमावत मीडिया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आय से अधिक संपत्ति और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूर्व विधायक दीप नारायण सिंह यादव एवं उनके सहयोगियों से जुड़े उत्तर प्रदेश के 11 ठिकानों पर छापेमारी की। कार्रवाई में बेनामी संपत्तियों, शेल कंपनियों और संदिग्ध वित्तीय लेनदेन से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए गए। ईडी के अनुसार जांच में करीब 23.02 करोड़ रुपये की आय से अधिक संपत्ति का मामला सामने आया है। एजेंसी ने बताया कि जब्त दस्तावेजों के आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क, बेनामी संपत्तियों और अवैध धन के स्रोतों की जांच जारी है।

निर्वाचन आयोग के राष्ट्रीय सम्मेलन में मीडिया प्रबंधन और साइबर सुरक्षा पर मंथन

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

सलूंबर/नई दिल्ली । भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नई दिल्ली स्थित भारत अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र एवं निर्वाचन प्रबंधन संस्थान में मीडिया एवं संचार अधिकारियों का तृतीय एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में देश के 10 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों से लगभग 200 मीडिया नोडल अधिकारी, सोशल मीडिया नोडल अधिकारी, जिला मीडिया नोडल अधिकारी तथा राज्य जनसंपर्क विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय, चूरू के जनसंपर्क अधिकारी सूर्यकान्त कुमावत ने भी सम्मेलन में जिले का प्रतिनिधित्व किया। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि निर्वाचन आयोग का प्रत्येक निर्णय संविधान, निर्वाचन कानूनों और आयोग द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप लिया जाता है। उन्होंने अधिकारियों से सोशल मीडिया पर फैल रही भ्रामक सूचनाओं, फर्जी आख्यानों और गलत जानकारी के प्रति सतर्क रहने तथा उनका समयबद्ध और तथ्यपरक जवाब देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हाल के विधानसभा चुनावों में रिकॉर्ड मतदान प्रतिशत लोकतांत्रिक प्रक्रिया और निर्वाचन आयोग पर मतदाताओं के विश्वास का प्रमाण है।

उन्होंने जिला जनसंपर्क अधिकारियों को निर्वाचन आयोग का महत्वपूर्ण सहयोगी बताते

हुए कहा कि वे सही सूचना आमजन तक पहुंचाने, गलत सूचनाओं का खंडन करने और सकारात्मक संवाद स्थापित करने में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद-324 के तहत निर्वाचन आयोग अपनी स्थापना से ही स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया सुनिश्चित करता आया है। निर्वाचन आयुक्त डॉ. विवेक जोशी ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), डीपफेक और सिंथेटिक कंटेंट के माध्यम से लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति भ्रम फैलाने के प्रयास बढ़ रहे हैं। उन्होंने मीडिया एवं संचार अधिकारियों से आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप सक्रिय रहकर ऐसे प्रयासों का प्रभावी प्रतिकार करने का आग्रह किया। सम्मेलन में निर्वाचन आयोग के एउक्छएळ एप्लिकेशन की विशेषताओं की भी विस्तार से जानकारी दी गई। आयोग के 40 से अधिक पोर्टलों को एकीकृत करने वाला यह डिजिटल प्लेटफॉर्म 22 अनुसूचित भाषाओं सहित अंग्रेजी में उपलब्ध है। इसके माध्यम से मतदाता पंजीकरण, मतदाता सूची में नाम खोजने, आवेदन की स्थिति देखने, डिजिटल मतदाता पहचान पत्र डाउनलोड करने तथा शिकायत दर्ज कराने जैसी सुविधाएं एक ही मंच पर उपलब्ध हैं।

ग्रामीण पत्रकारिता और साहित्य साधना का सम्मान, यशवंत सालवी व शंकरलाल पटेल को जैन दिवाकर रजत पदक

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। साहित्यिक संस्था युगधारा के तत्वावधान में विज्ञान समिति, उदयपुर में आयोजित सम्मान समारोह में बंबोरा के पत्रकार यशवंत सालवी और शंकरलाल पटेल को ग्रामीण पत्रकारिता में उल्लेखनीय योगदान के लिए जैन दिवाकर रजत पदक से सम्मानित किया गया। समारोह में साहित्यकार डॉ. अनुश्री राठौड़ और जेठानंद पंवार को भी प्रतिष्ठित धींग पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उदयपुर नगर विधायक ताराचंद जैन थे, जबकि अध्यक्षता प्रख्यात वैज्ञानिक डॉ. कुंदनलाल कोठारी ने की। सुखाड़िया विश्वविद्यालय के राजस्थानी भाषा विभागाध्यक्ष डॉ. सुरेश सालवी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

यशवंत सालवी और शंकरलाल पटेल को अतिथियों ने जैन दिवाकर रजत पदक, शॉल, मेवाड़ी पाग, मुक्ताहार, श्रीफल, स्मृति चिह्न, पुस्तक एवं कलम भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर रेखा जारोली ने शंकरलाल पटेल तथा डॉ. दिलीप धींग ने यशवंत सालवी का परिचय प्रस्तुत किया। डॉ. धींग ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों की पत्रकारिता समाज को जागरूक करने और विकास की आवाज को सामने लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

समारोह में बंबोरा के धींग परिवार के सौजन्य से डॉ. अनुश्री राठौड़ को कन्हैयालाल धींग राजस्थानी पुरस्कार तथा जेठानंद पंवार को

श्राविकारत्न उमरावदेवी धींग साहित्योदय पुरस्कार प्रदान किया गया। सम्मान प्राप्त करने के बाद डॉ. अनुश्री राठौड़ ने इसे अपने साहित्यिक जीवन के लिए नई ऊर्जा देने वाला सम्मान बताया, जबकि जेठानंद पंवार ने राजस्थानी भाषा में कहा कि इस सम्मान के साथ उनकी जिम्मेदारियां और बढ़ गई हैं।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण, रेणु सिरोया द्वारा सरस्वती वंदना तथा युगधारा संस्था गीत के साथ हुआ। संस्था अध्यक्ष प्रकाश तातेड़ ने स्वागत उद्बोधन दिया, जबकि युगधारा के संस्थापक डॉ. ज्योतिपुंज ने सम्मानित साहित्यकारों एवं पत्रकारों को शुभकामनाएं प्रेषित कीं। समारोह में मंचासीन अतिथियों का भी सम्मान किया गया।

मुख्य अतिथि ताराचंद जैन ने कन्हैयालाल धींग से जुड़े संस्मरण साझा करते हुए कहा कि साहित्यकार और पत्रकार समाज को सही दिशा देने का कार्य करते हैं। अध्यक्ष डॉ. कुंदनलाल कोठारी ने डॉ. दिलीप धींग पर लिखी अपनी कविता का पाठ किया, जबकि डॉ. सुरेश सालवी ने राजस्थानी भाषा के संरक्षण और संवर्धन की आवश्यकता पर बल दिया।

समारोह में रोड़ीलाल धींग, नंदनी शर्मा, डॉ. मीना बया, सुरेशचंद्र धींग, डॉ. मदन कोठारी, हंसा जारोली, एडवोकेट अतुल शाह धींग, गिरीश मेहता, बालकृष्ण त्रिपाठी, मनोहर डेम्बला, विनोद उपाध्याय, श्रीरत्न मोहता, तरुण दाधीच, संजय गुप्ता देवेश, पूनम भू, डॉ. सिम्मी सिंह, डॉ. विमल शर्मा, कुसुम भारद्वाज, सुभाष बया, पंचम मेहता, दीपा पंत शीतल, डॉ. घनश्याम आर्य, राजेंद्र डागा, बिलाल पठान और श्याम मठपाल सहित समाज, साहित्य एवं शिक्षा जगत के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. शीतल श्रीमाली ने किया तथा किरण बाला किरण ने सभी का आभार व्यक्त किया।

मुस्कान के पीछे का घाव: कैसे एक नार्सिसिस्ट जीवन और परिवारों को तबाह कर देता है

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

हर घाव हिंसा से नहीं दिया जाता। कुछ घाव एक मुस्कान, मीठे शब्दों, निष्ठा के वादों और प्रेम के मुखौटे के साथ दिए जाते हैं। ऐसे ही सबसे विनाशकारी घावों में से एक है किसी नार्सिसिस्ट (आत्ममुग्ध और अत्यधिक स्वार्थी व्यक्ति) द्वारा दिया गया भावनात्मक और मानसिक आघात।

नार्सिसिस्ट को पहचानना आसान नहीं होता। प्रारम्भ में वे शायद ही कभी क्रूर दिखाई देते हैं। इसके विपरीत, वे आकर्षक, मिलनसार, बुद्धिमान और आपकी ज़िंदगी में गहरी रुचि लेने वाले प्रतीत होते हैं। वे लोगों को विशेष, समझा हुआ और महत्वपूर्ण महसूस कराने की कला जानते हैं। यही उन्हें सबसे खतरनाक बनाता है। उनका विनाश शत्रुता से नहीं, बल्कि विश्वास से आरम्भ होता है।

समय के साथ, हालांकि, उनका मुखौटा धीरे-धीरे उतरने लगता है। नार्सिसिस्ट में प्रशंसा, मान्यता और नियंत्रण की अतृप्त भूख होती है। वे लोगों को स्वतंत्र व्यक्तियों के रूप में नहीं, बल्कि अपनी इच्छाओं, महत्वाकांक्षाओं और अहंकार की पूर्ति के साधन के रूप में देखते हैं। उनके लिए रिश्ते, मित्रता और पारिवारिक संबंध भी अक्सर स्वार्थ, प्रतिष्ठा, ध्यान और शक्ति प्राप्त करने के उपकरण बन जाते हैं। सबसे बड़ी त्रासदी यह है कि उनके शिकारों को प्रायः तब तक पता ही नहीं चलता कि उनके साथ क्या हो रहा है, जब तक कि नुकसान बहुत गहरा नहीं हो जाता। उनका छल प्रायः अत्यंत सूक्ष्म होता है। वह छोटी-छोटी आलोचनाओं से शुरू होता है, जो चिंता या सलाह के रूप में प्रस्तुत की जाती हैं। वे भ्रम उत्पन्न करते हैं, लोगों को भावनात्मक रूप से निर्भर बनाते हैं और परिवार के सदस्यों के बीच अविश्वास के बीज बो देते हैं। वे तथ्यों को तोड़-मरोड़ सकते हैं, स्पष्ट घटनाओं से इंकार कर सकते हैं और लोगों को अपनी ही स्मृति तथा निर्णय क्षमता पर संदेह करने के लिए विवश कर सकते हैं।

वे लोगों को उनके अपने प्रियजनों से अलग करते हैं, उनकी कमजोरियों का लाभ उठाते हैं और धीरे-धीरे उनके आत्मविश्वास तथा आत्मसम्मान को नष्ट कर देते हैं। जब तक पीड़ित इस पूरे खेल को समझता है, तब तक भावनात्मक क्षति अक्सर बहुत गहरी हो चुकी होती है।

पूरा परिवार बिखर सकता है। दशकों पुराने संबंध अविश्वास, गलतफहमियों और सुनियोजित षड्यंत्रों के बोझ तले टूट सकते हैं। भाई-बहन एक-दूसरे से दूर हो सकते हैं, मित्रताएँ समाप्त हो सकती हैं, विवाह टूट सकते हैं और माता-पिता तथा संतान के संबंध भी कटुता में बदल सकते हैं। आश्चर्यजनक रूप से, इस विनाश के बीच भी नार्सिसिस्ट स्वयं को निर्दोष या कभी-कभी पीड़ित के रूप में प्रस्तुत करता है।

यशवर्धन राणावत
लेखक व विचारक

शायद नार्सिसिस्ट का सबसे भयावह गुण है– पश्चाताप का अभाव।

सामान्य लोग तब पीड़ा महसूस करते हैं जब उन्हें एहसास होता है कि उन्होंने किसी प्रिय व्यक्ति को चोट पहुँचाई है। वे क्षमा माँगते हैं, आत्मचिंतन करते हैं और अपनी गलती सुधारने का प्रयास करते हैं। परंतु नार्सिसिस्ट अक्सर अपने द्वारा पहुँचाए गए दर्द को कम करके आँकते हैं, अपनी जिम्मेदारी से इंकार करते हैं, या उल्टा दोष पीड़ित पर ही डाल देते हैं। कुछ मामलों में तो उन्हें यह संतोष भी होता है कि उन्होंने परिस्थितियों पर अपना नियंत्रण बनाए रखा या संघर्ष में जीत हासिल कर ली। पीड़ित के लिए इसके परिणाम विनाशकारी हो सकते हैं।

लंबे समय तक भावनात्मक छल और मानसिक उत्पीड़न झेलने वाला व्यक्ति निरंतर तनाव, चिंता, अनिद्रा, आत्मविश्वास में कमी और असहायता की भावना से घिर सकता है। कई लोग इतने गहरे अवसाद में चले जाते हैं कि दैनिक जीवन के साधारण कार्य भी असंभव लगने लगते हैं। कुछ लोगों को घबराहट के तीव्र दौरे, मानसिक टूटन और गहन भावनात्मक संकट का सामना करना पड़ता है।

चरम परिस्थितियों में व्यक्ति मानसिक रूप से इस हद तक टूट सकता है कि वह वास्तविकता से जुड़ाव खोने लगे, गहरे भ्रम और भय का अनुभव करे और सामान्य जीवन जीने की क्षमता तक प्रभावित हो जाए। कुछ लोगों के भीतर यह आघात वर्षों तक जीवित रहता है।

नार्सिसिस्ट द्वारा किया गया सबसे बड़ा अपराध केवल दर्द देना नहीं है; वह है विश्वास की हत्या।

पीड़ित अक्सर स्वयं को दोषी मानने लगते हैं। वे सोचते हैं कि वे इस व्यक्ति को पहले क्यों नहीं पहचान पाए, उन्होंने चेतावनी के संकेत क्यों नहीं समझे। वे वर्षों तक अपराधबोध में जी सकते हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि इस प्रकार का छल इसलिए सफल होता है क्योंकि यह व्यक्ति की सबसे सुंदर मानवीय विशेषताओं ; दयालुता, निष्ठा, सहानुभूति और विश्वास करने की क्षमता का शोषण करता है।

इसका अर्थ यह नहीं कि व्यक्ति लोगों से डरने लगे या हर संबंध पर संदेह करे। इसका अर्थ केवल इतना है कि हमें यह समझना चाहिए कि आकर्षण चरित्र नहीं होता, आत्मविश्वास ईमानदारी नहीं होता, और स्नेह हमेशा प्रेम नहीं होता।

स्वस्थ संबंध सहानुभूति, जवाबदेही, सम्मान और दूसरे के कल्याण के प्रति वास्तविक चिंता पर आधारित होते हैं। जहाँ इन गुणों का अभाव हो और उनकी जगह छल, नियंत्रण और स्वार्थ ने ले ली हो, वहाँ परिणाम भावनात्मक रूप से विनाशकारी हो सकते हैं।

नार्सिसिस्ट द्वारा दिए गए घाव प्रायः अदृश्य होते हैं। वे शरीर पर निशान नहीं छोड़ते और न ही किसी चिकित्सीय जाँच में दिखाई देते हैं। फिर भी वे जीवन की दिशा बदल सकते हैं, परिवारों को तोड़ सकते हैं और मन पर ऐसे गहरे घाव छोड़ सकते हैं जो वर्षों तक नहीं भरते।

और शायद सबसे बड़ी त्रासदी यह है कि जब तक अधिकांश पीड़ितों को यह पूरी तरह समझ आता है कि उनके साथ क्या हुआ, तब तक वे उस संबंध को बचाने की कोशिश नहीं कर रहे होते–वे स्वयं को फिर से खड़ा करने के लिए संघर्ष कर रहे होते हैं।

विनाश की पगडंडी: नार्सिसिस्ट कभी एक ही शिकार पर नहीं रुकता

कल्पना कीजिए एक युवा व्यक्ति की, जो अपने किसी निकट संबंधी, मित्र या जीवनसाथी पर गहरा विश्वास करता है। वह अपने सपने, भय, महत्वाकांक्षाएँ और कमजोरियाँ सब कुछ उसके साथ साझा करता है। सामने वाला व्यक्ति उसे प्रोत्साहित करता है, उसकी प्रशंसा करता है और यह विश्वास दिलाता है कि वह उसके जीवन और सफलता की सच्ची परवाह करता है।

फिर धीरे-धीरे, लगभग अदृश्य ढंग से, सब कुछ बदलने लगता है।

नार्सिसिस्ट उसके मन में संदेह के बीज बोना शुरू करता है। वह उसकी क्षमताओं को सूक्ष्म रूप से कमतर दिखाता है, उसके आत्मविश्वास को कमजोर करता है और उन लोगों से गलतफहमियाँ पैदा करता है जो वास्तव में उससे प्रेम करते हैं। वह आधे-सच और झूठ का मिश्रण फैलाता है, निजी बातें दूसरों तक पहुँचाता है और ऐसी परिस्थितियाँ उत्पन्न करता है कि लोग उस व्यक्ति के चरित्र और इरादों पर प्रश्न उठाने लगते हैं।

युवक महसूस करता है कि रिश्ते बिगड़ रहे हैं, लेकिन उसे समझ नहीं आता कि ऐसा क्यों हो रहा है। जो अवसर कभी उसके सामने थे, वे उससे दूर होने लगते हैं। मित्र दूर हो जाते हैं। परिवार में तनाव बढ़ने लगता है। वह स्वयं पर संदेह करने लगता है।

शायद मैं ही गलत हूँ.... शायद समस्या मुझमें ही है...

यही वह अवस्था है जहाँ नार्सिसिस्ट उसे देखना चाहता है। समय के साथ वह व्यक्ति भावनात्मक रूप से अकेला, थका हुआ और टूटने लगता है। उसका आत्मविश्वास खो जाता है, वह सामाजिक रूप से अलग-थलग पड़ जाता है, चिंता और अवसाद से घिर जाता है, और कभी-कभी उसे घबराहट के दौरे तथा मानसिक टूटन तक का सामना करना पड़ता है। जो व्यक्ति कभी आशावादी, आत्मविश्वासी और महत्वाकांक्षी था, वह धीरे-धीरे अपने ही भीतर खो जाता है।

और फिर आता है सबसे क्रूर क्षण।
नार्सिसिस्ट आगे बढ़ जाता है।

न कोई वास्तविक पश्चाताप, न कोई क्षमा-याचना, न ही उस पीड़ा का कोई स्वीकार जो उसने पीछे छोड़ी है। उसके लिए वह व्यक्ति कोई इंसान नहीं, बल्कि केवल एक अध्याय था, जिसका उपयोग हो चुका है।

और फिर वही कहानी दोहराई जाती है।

नार्सिसिस्ट अपने पीछे टूटे हुए रिश्तों, बिखरे हुए परिवारों, क्षत-विक्षत मित्रताओं और भावनात्मक रूप से घायल लोगों की एक लंबी श्रृंखला छोड़ जाता है। प्रायः उसके अतीत में ऐसे अनेक लोग मिलेंगे जो उसके निकट आने के बाद स्वयं को ठगा हुआ, इस्तेमाल किया हुआ और मानसिक रूप से थका हुआ महसूस करते हैं। एक शिकार की जगह दूसरा, फिर तीसरा, और फिर चौथा– क्योंकि उसकी प्रशंसा, नियंत्रण और मान्यता की भूख कभी समाप्त नहीं होती।

नार्सिसिस्ट एक जंगल की आग की तरह होता है। आग एक पेड़ को जलाकर नहीं रुकती। वह आगे बढ़ती है, अपने मार्ग में आने वाली हर चीज को अपनी लपटों में समेट लेती है और पीछे केवल राख छोड़ जाती है। पेड़ अलग-अलग हो सकते हैं, पर आग का स्वभाव नहीं बदलता। इसी प्रकार, नार्सिसिस्ट की त्रासदी केवल यह नहीं कि एक व्यक्ति पीड़ित होता है; बल्कि यह है कि वही विनाशकारी व्यवहार बार-बार अलग-अलग लोगों के जीवन में दोहराया जाता है और पीछे छूट जाते हैं अनेक लोग, जो वर्षों तक यह समझने की कोशिश करते रहते हैं कि उनके साथ आखिर हुआ क्या था।

और अंततः, अधिकांश पीड़ित एक कड़वी सच्चाई समझते हैं–

उनकी सबसे बड़ी भूल यह नहीं थी कि वे कमजोर थे या मूर्ख थे। उनकी भूल केवल इतनी थी कि उन्होंने अपना विश्वास, अपनी निष्ठा और अपना प्रेम उस व्यक्ति को दे दिया, जिसने इन गुणों को संजोने योग्य उपहार नहीं, बल्कि शोषण करने योग्य कमजोरियाँ समझा।

खबर संक्षेप

ग्रामीण सेवा शिविर में तीन लाभार्थियों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन स्वीकृत

सलूंबर @ पदमावत मीडिया। पंचायत समिति सराड़ा की ग्राम पंचायत बलूआ में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर में सामाजिक

न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने तीन पात्र लाभार्थियों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना का लाभ प्रदान किया। शिविर में जीजा देवी मीणा और देवीलाल को मुख्यमंत्री वृद्धजन सम्मान पेंशन योजना तथा गोकली देवी को मुख्यमंत्री विधवा पेंशन योजना के तहत मौके पर ही पेंशन स्वीकृति आदेश जारी किए गए। सभी लाभार्थियों को प्रतिमाह 1300 रुपये पेंशन मिलेगी। शिविर में अधिकारियों ने योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्र लोगों को अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए प्रेरित किया।

शहरी सेवा शिविर में आमजन को मिली त्वरित राहत

जयपुर @ पदमावत मीडिया। शहरी सेवा शिविर-2026 के तहत गुरुवार को जगतपुरा

और झालाना जोन में शिविर आयोजित किए गए। शिविर में लाभार्थियों को पट्टे, पीएम स्वनिधि योजना के तहत ऋण तथा विभिन्न सेवाओं का लाभ प्रदान किया गया। बगरू विधायक कैलाश वर्मा ने शिविर का निरीक्षण कर आमजन से संवाद किया। जगतपुरा जोन में जन्म, मृत्यु व विवाह पंजीयन के 42 प्रमाण पत्र जारी किए गए, जबकि झालाना जोन में 39 प्रमाण पत्र जारी कर पीएम स्वनिधि के 6 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। वहीं आज झोटवाड़ा/वैशाली नगर जोन के सामुदायिक केंद्र, तारानगर-डी में शहरी सेवा शिविर आयोजित किया जाएगा।

भारतीय वायु सेना भर्ती के लिए 26 जुलाई तक आवेदन

सलूंबर @ पदमावत मीडिया। भारतीय वायु सेना ने अग्निवीर वायु एवं एयरमेन ग्रुप ह्वाईह्ल मेडिकल असिस्टेंट पदों पर भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। पात्र अभ्यर्थी 26 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं, जबकि ऑनलाइन परीक्षा 22 और 23 सितंबर को आयोजित होगी। वायु सेना के अनुसार आवेदन शुल्क 550 रुपये है। अग्निवीर वायु पद के लिए पुरुष एवं महिला, जबकि एयरमेन ग्रुप ह्वाईह्ल मेडिकल असिस्टेंट पद के लिए पात्र पुरुष अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। भर्ती तीन चरणों– लिखित परीक्षा, दस्तावेज सत्यापन व शारीरिक दक्षता परीक्षा तथा चिकित्सीय परीक्षण–में होगी।

पीड़ित प्रतिकर योजना में 7 प्रकरणों का निस्तारण, 28 .50 लाख स्वीकृत

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की बैठक में पीड़ित

प्रतिकर योजना के तहत 7 प्रकरणों का निस्तारण करते हुए पीड़ितों एवं उनके आश्रितों के लिए 28 लाख 50 हजार रुपये के प्रतिकर अवार्ड स्वीकृत किए गए। प्राधिकरण के सचिव राहुल चौधरी ने बताया कि स्वीकृत राशि पीड़ितों के बचत खातों में जमा कराने एवं एफडीआर के माध्यम से सुरक्षित रखने के निर्देश दिए गए हैं। यह प्रतिकर बलात्कार, हत्या एवं पॉक्सो अधिनियम से जुड़े मामलों में पात्र पीड़ितों और उनके आश्रितों को प्रदान किया जाता है।

22 जुलाई को होगी सेतु कार्यशाला

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। सामाजिक सुरक्षा योजनाओं तक पात्र परिवारों की पहुंच मजबूत करने के उद्देश्य से सोशल प्रोटेक्शन कोएलिशन (सेतु) की जिला स्तरीय कार्यशाला 22 जुलाई को जिला परिषद सभागार में आयोजित होगी। कार्यशाला सुबह 10 बजे से शाम 4:30 बजे तक चलेगी, जिसमें संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कार्मिक भाग लेंगे।

कोचिंग संस्थानों के लिए जिला प्रशासन के सख्त निर्देश, 31 जुलाई तक सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी रिपोर्ट देनी होगी

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

जयपुर । जिले में संचालित कोचिंग संस्थानों में छात्र-छात्राओं की सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य और पारदर्शी संचालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला कलेक्टर संदेश नायक की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित हुई। बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर (जयपुर दक्षिण) युगांतर शर्मा, विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा कोचिंग संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बैठक में विद्यार्थियों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जिला प्रशासन ने कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए। जिला कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी कोचिंग संस्थान 31 जुलाई 2026 तक अपनी प्रमाणित ईजी एग्जिट नीति जिला प्रशासन को उपलब्ध कराएं, ताकि किसी भी विद्यार्थी को संस्थान छोड़ने की स्थिति में अनावश्यक परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। साथ ही फीस संबंधी विवादों के त्वरित और पारदर्शी समाधान के लिए स्पष्ट एग्जिट नीति लागू करने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में निर्णय लिया गया कि सभी कोचिंग संस्थानों में अग्नि सुरक्षा, विद्युत सुरक्षा, भवन सुरक्षा तथा मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े विषयों पर नियमित प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे। इसके लिए सार्वजनिक निर्माण विभाग, जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम

और अग्निशमन विभाग के अधिकारियों की संयुक्त टीम प्रशिक्षण एवं निरीक्षण करेगी। शहर के बाहरी क्षेत्रों में संचालित कोचिंग संस्थानों का भी अग्नि सुरक्षा ऑडिट कराया जाएगा।

जिला कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी संस्थान 31 जुलाई तक अग्नि सुरक्षा व्यवस्था की अनुपालना रिपोर्ट प्रस्तुत करें तथा संबंधित कर्मचारियों को अग्नि सुरक्षा का प्रशिक्षण दिलाना सुनिश्चित करें।

बैठक में प्रत्येक संस्थान के गेटकीपरों का प्रशिक्षण अनिवार्य करने का निर्णय लिया गया। प्रशिक्षण 30 जुलाई तक पूर्ण कर उसका शपथ-पत्र जिला प्रशासन को देना होगा। जो संस्थान स्वयं प्रशिक्षण नहीं करा पाएंगे, उनके लिए जिला प्रशासन निःशुल्क प्रशिक्षण की व्यवस्था करेगा।

विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक कोचिंग संस्थान में पर्याप्त संख्या में मनोचिकित्सक, मनोवैज्ञानिक एवं काउंसलर नियुक्त करने तथा उनकी अद्यतन सूची और संपर्क विवरण 31 जुलाई तक जिला प्रशासन को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। साथ ही पीएचक्यू-9 जैसे मानसिक स्वास्थ्य मूल्यांकन एवं नियमित काउंसलिंग सत्र आयोजित करने पर विशेष जोर दिया गया।

जिला कलेक्टर ने प्रत्येक संस्थान में प्रभावी शिकायत निवारण तंत्र स्थापित करने, शिकायत अधिकारी नियुक्त करने तथा परिसर में टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर प्रमुखता से प्रदर्शित करने के निर्देश दिए, ताकि विद्यार्थी आवश्यकता पड़ने पर तत्काल सहायता प्राप्त कर सकें।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि ऑफलाइन और ऑनलाइन अध्ययन के बीच विद्यार्थियों के स्थानांतरण (स्विचिंग) के संबंध में प्रत्येक संस्थान स्पष्ट नीति तैयार कर 30 जुलाई तक जिला प्रशासन को उपलब्ध कराए।

इसके अलावा नकल विरोधी अधिनियम के संबंध में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने तथा प्रमुख स्थानों पर सूचना सामग्री प्रदर्शित करने के निर्देश भी दिए गए। जिला कलेक्टर ने सभी कोचिंग संस्थानों से शासन के दिशा-निर्देशों, सुरक्षा मानकों और नियामक प्रावधानों की समयबद्ध पालना सुनिश्चित करने का आह्वान करते हुए कहा कि विद्यार्थियों के हित सर्वोपरि हैं और सुरक्षित, पारदर्शी तथा छात्र-केंद्रित शिक्षण वातावरण विकसित करना सभी संस्थानों की जिम्मेदारी है।

रोटरी क्लब ऑफ उदयपुर मीरा ने विद्यालय परिसर में लगाए 51 पौधे

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। पर्यावरण संरक्षण और हरित वातावरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रोटरी क्लब ऑफ उदयपुर मीरा द्वारा बुधवार को शहीद अभिनव नागौरी राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, भुवाणा परिसर में 51 पौधों का वृक्षारोपण किया गया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में क्लब अध्यक्ष कुकू लिखारी, सचिव एडवोकेट स्नेहा के. शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मीरा मजूमदार, पूर्व अध्यक्ष डॉ. प्रीति सोगानी, निदेशक (पर्यावरण) एवं परियोजना संयोजिका अलका कोठारी सहित क्लब के पदाधिकारियों और विद्यालय परिवार के सदस्यों ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। क्लब अध्यक्ष कुकू लिखारी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनका संरक्षण और नियमित देखभाल करना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने

विद्यार्थियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उन्हें विकसित करने का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है और आने वाली पीढ़ियों के लिए हरियाली सुरक्षित रखना हम सभी का दायित्व है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति सदैव जागरूक रहने की शपथ भी ली।

कार्यक्रम का समन्वय अलका कोठारी ने किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य मनीष सोनी ने विद्यालय परिसर उपलब्ध कराने एवं इस अभियान में सहयोग देने के साथ रोटरी क्लब ऑफ उदयपुर मीरा की इस पहल की सराहना की।

नाथद्वारा–देवगढ़ रेलखंड पर जुलाई में होंगे गति परीक्षण

राजसमंद @ पदमावत मीडिया। नाथद्वारा-देवगढ़ मदारिया आमान परिवर्तन परियोजना के तहत जुलाई में नाथद्वारा से तावा-मरवाड़ जंक्शन रेलखंड पर विशेष ट्रेनों से गति परीक्षण किए जाएंगे। परीक्षण के दौरान ट्रेनें 120 किमी प्रति घंटा या उससे अधिक गति से चलेंगी। ऐसे में आमजन, पशुपालकों और वाहन चालकों से रेलवे ट्रैक एवं उसके आसपास विशेष सतर्कता बरतने की अपील की गई है। उपमुख्य अभियंता प्रवीण यादव ने बताया कि परीक्षण के दौरान सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए जाएंगे। जिला प्रशासन ने लोगों से ट्रैक पार नहीं करने, बच्चों व पशुओं को रेलवे लाइन के पास नहीं जाने देने तथा केवल अधिकृत सूचनाओं पर ही विश्वास करने की अपील की है।

अक्षय कुमार के सहयोग से बनेगा अरुणा भाटिया जनजाति कन्या छात्रावास, भूमि पूजन सम्पन्न

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर । राजस्थान वनवासी कल्याण परिषद्, उदयपुर द्वारा जनजातीय बालिकाओं के लिए बनने वाले अरुणा भाटिया जनजाति कन्या छात्रावास के नवीन भवन निर्माण का भूमि पूजन गुरुवार को हिरण मगरी सेक्टर-11 में वैदिक विधि-विधान के साथ सम्पन्न हुआ।

भूमि पूजन कार्यक्रम प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. थावरचंद डामोर, प्रांतीय महामंत्री वीरेन्द्र प्रकाश पंचोली, प्रांतीय संगठन मंत्री जगदीश कुलमी, प्रांतीय निर्माण कार्य प्रभारी जगदीश प्रसाद जोशी, संरक्षक गोपाललाल कुमावत तथा कोषाध्यक्ष रमेशचंद्र मुंद्डा के सानिध्य में आयोजित हुआ। समारोह में समाज के गणमान्य नागरिक, शिक्षाविद, सामाजिक कार्यकर्ता, दानदाता, परिषद् के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. थावरचंद डामोर ने बताया कि वनवासी कल्याण आश्रम जनजाति समाज के सर्वांगीण

विकास के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि इस छात्रावास के निर्माण के लिए फिल्म अभिनेता अक्षय कुमार ने एक करोड़ रुपये का सहयोग प्रदान किया है। उनके सहयोग के सम्मान में छात्रावास का नाम उनकी माता अरुणा भाटिया के नाम पर रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व भी अक्षय कुमार अपने पिता हरिओम भाटिया के नाम पर खेरवाड़ा में एक छात्रावास के निर्माण में सहयोग कर चुके हैं।

प्रांतीय संगठन मंत्री जगदीश कुलमी ने बताया कि जनजातीय बालिकाओं को सुरक्षित आवास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस छात्रावास का निर्माण कराया जा रहा है। यह छात्रावास बालिकाओं के शैक्षणिक, सांस्कृतिक, बौद्धिक एवं व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा तथा उन्हें उच्च शिक्षा के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध कराएगा। समारोह में उपस्थित अतिथियों ने इस पहल को जनजातीय शिक्षा और महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए विश्वास व्यक्त किया कि छात्रावास का निर्माण पूर्ण होने के बाद यह जनजातीय क्षेत्र की बालिकाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सुरक्षित आवास का सशक्त केंद्र बनेगा।

खबर संक्षेप

ग्रामीण सेवा शिविर में महिलाओं को योजनाओं की दी जानकारी

सलूंबर @ पदमावत मीडिया। ग्राम पंचायत सराडी में आयोजित ग्रामीण सेवा

शिविर में महिलाओं को वन स्टॉप सेंटर और महिला हेल्पलाइन 181 की जानकारी दी गई। शिविर में हिंसा या प्रताड़ना से प्रभावित महिलाओं को उपलब्ध निःशुल्क आवास, भोजन, पुलिस सहायता, चिकित्सकीय सुविधा, कानूनी व मनोसामाजिक परामर्श सहित विभिन्न सेवाओं से अवगत कराया गया। कार्यक्रम में महिलाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा, शिक्षा और आत्मनिर्भरता के प्रति जागरूक किया गया। शिविर में केंद्र प्रबंधक कविता पुरबिया, काजल भोई सहित विभागीय कर्मचारी मौजूद रहे।

ग्रामीण सेवा शिविर में मौके पर जारी हुआ मृत्यु प्रमाण पत्र

सलूंबर @ पदमावत मीडिया। झल्लारा ब्लॉक की ग्राम पंचायत विरवा कला में

आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर में एक नागरिक को आवेदन के तुरंत बाद आवश्यक जांच और सत्यापन कर मौके पर ही मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किया गया। त्वरित कार्रवाई से लाभार्थी को विभिन्न सरकारी योजनाओं और अन्य आवश्यक कार्यों के लिए तत्काल राहत मिली। शिविर में विकास अधिकारी दिनेश पाटीदार, तहसीलदार भाग्यराम जोशी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी एवं विद्यालय के बच्चों को पिलाया गया स्वर्ण प्राशन, मौसमी बीमारियों से बचाव का दिया संदेश

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, सेक्टर-4 अंबेडकर

नगर परिसर स्थित आंगनबाड़ी केंद्र एवं विद्यालय की कक्षा 1 एवं 2 के बच्चों को मौसमी बीमारियों से बचाव के उद्देश्य से स्वर्ण प्राशन कराया गया। आर्य समाज महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका चंद्रकांता वैदिका ने बताया कि बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता को ध्यान में रखते हुए यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। उन्होंने अभिभावकों से भी बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम में आयुर्वेद विभाग की चंद्रकला आर्य का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर कपिल शर्मा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा सहयोगिनी तथा विद्यालय स्टाफ भी उपस्थित रहे और कार्यक्रम के सफल संचालन में सहयोग प्रदान किया।

गोवा के मुख्यमंत्री आज उदयपुर आएंगे

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सांवत आज शाम 5:10 बजे डबोक स्थित महाराणा प्रताप एयरपोर्ट पहुंचेंगे। यहां से वे सड़क मार्ग से माउंट आबू के लिए रवाना होंगे। अगले दिन शाम 5:45 बजे डबोक एयरपोर्ट से मुंबई के लिए प्रस्थान करेंगे। जिला प्रशासन ने उनकी यात्रा को लेकर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

डीएमएफटी योजना का आज होगा शुभारंभ

सलूंबर @ पदमावत मीडिया। जिले में खिलाड़ियों के विकास और उच्च स्तरीय प्रशिक्षण के लिए डीएमएफटी मद से 50 लाख रुपये की योजना का शुभारंभ आज राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, करावली के खेल मैदान में होगा। योजना के तहत उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 28 से 30 विद्यालयों का चयन कर खेल सामग्री, पोशाक और प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। जिला खेल अधिकारी अशोक चौधरी ने बताया कि शुभारंभ के बाद सॉफ्टबॉल का प्रदर्शन मैच भी आयोजित होगा।

बालिकाओं को महिला सुरक्षा, कानूनी अधिकार एवं सरकारी योजनाओं की दी जानकारी

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। ब्लॉक गोगुंदा के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, मोड़ी में महिला अधिकारिता विभाग एवं पुलिस विभाग के संयुक्त तत्वावधान तथा जतन संस्था द्वारा संचालित महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र, नाई के सहयोग से बालिकाओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र की सामाजिक परामर्शदाता संगीता पालीवाल ने बालिकाओं को महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र, सखी वन स्टॉप सेंटर, 181 महिला हेल्पलाइन सहित विभिन्न सहायता सेवाओं की जानकारी दी। उन्होंने बालिकाओं से कहा कि किसी भी प्रकार के उत्पीड़न, भेदभाव या हिंसा की स्थिति में बिना संकोच कानूनी सहायता लें और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहें। महिला अधिकारिता विभाग की ब्लॉक सुपरवाइजर सीमा चौहान ने बालिकाओं को निःशुल्क आरएस-सीआईटी, शिक्षा सेतु योजना, लाड़ो प्रोत्साहन योजना तथा कालीबाई भील उड़ान योजना सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने माहवारी स्वच्छता, व्यक्तिगत स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति जागरूक रहने का संदेश देते हुए बालिकाओं को स्वस्थ एवं आत्मनिर्भर जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए महिला सुरक्षा, शिक्षा एवं सरकारी योजनाओं से जुड़े विभिन्न विषयों पर जानकारी प्राप्त की। आयोजन का उद्देश्य बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक बनाना था।

खाद्य सुरक्षा नियमों के उल्लंघन पर एडीएम न्यायालय सख्त, 12 मामलों में 3 लाख रुपये का जुमार्ना

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

सलूंबर। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों का उल्लंघन करने वाले खाद्य व्यवसाय संचालकों के विरुद्ध अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (एडीएम) न्यायालय, सलूंबर ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 12 प्रकरणों में कुल 3 लाख रुपये का आर्थिक दंड लगाया है। यह कार्रवाई खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम की धारा-26 के तहत की गई है। न्यायालय ने नियमित सुनवाई के दौरान पाया कि संबंधित खाद्य व्यवसाय संचालकों ने खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया तथा अधिनियम के प्रावधानों की अवहेलना की। इसके चलते विभिन्न प्रकरणों में 15 हजार रुपये से लेकर 40 हजार रुपये तक का जुमार्ना अधिरोपित किया गया। न्यायालय द्वारा पारित आदेशों के अनुसार विभिन्न मामलों में 20 हजार, 30 हजार, 25 हजार, 15 हजार तथा 40 हजार रुपये तक के आर्थिक दंड लगाए गए। सभी 12 मामलों में कुल 3 लाख रुपये का जुमार्ना अधिरोपित कर खाद्य सुरक्षा नियमों के प्रभावी पालन का कड़ा संदेश दिया गया है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आमजन के स्वास्थ्य से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

निर्माणाधीन छात्रावास डॉरमेट्री का कलेक्टर ने किया निरीक्षण, गुणवत्ता और समयबद्ध निर्माण के दिए निर्देश

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

सलूंबर। जिला कलेक्टर मुहम्मद जुनैद ने वीर बाला काली बाई राजकीय टीएडी (बालिका) आश्रम छात्रावास, सलूंबर में 25 बेड क्षमता वृद्धि के लिए निमार्णाधीन डॉरमेट्री भवन का निरीक्षण कर निर्माण कार्य की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने निर्माण कार्य पर संतोष जताते हुए कहा कि छात्राओं के लिए विकसित की जा रही आवासीय सुविधाओं में गुणवत्ता, पारदर्शिता और सुरक्षा मानकों से किसी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने निर्माण कार्य को तय समय सीमा में पूर्ण करने तथा सभी आवश्यक मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने निमार्णाधीन भवन में उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं की भी जानकारी ली और छात्राओं को सुरक्षित, सुविधाजनक एवं बेहतर आवासीय वातावरण उपलब्ध कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा।

इस दौरान राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड (आरएसएएमबी) के सहायक अभियंता अजय बिश्नोई एवं कनिष्ठ अभियंता सीताराम जाट ने निर्माण कार्य की प्रगति, पूर्ण हो चुके कार्यों तथा आगामी कार्ययोजना की जानकारी दी।

उल्लेखनीय है कि डॉरमेट्री भवन के निर्माण के बाद छात्रावास की आवासीय क्षमता में 25 बेड की वृद्धि होगी। इससे क्षेत्र की बालिका छात्राओं को बेहतर एवं सुरक्षित आवासीय सुविधाएं उपलब्ध होने के साथ उनकी शिक्षा के लिए अनुकूल वातावरण और अधिक सुदृढ़ होगा।

10 से 23 जुलाई तक प्रदेशभर में ओबीसी परिवारों का डिजिटल सर्वे, राजधारा ऐप से घर-घर पहुंचेगी सर्वे टीम

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

सलूंबर/जयपुर । राजस्थान राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग (राजनीतिक प्रतिनिधित्व) आयोग द्वारा राज्य में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के राजनीतिक प्रतिनिधित्व से संबंधित समसामयिक एवं अनुभवजन्य अध्ययन के तहत 10 से 23 जुलाई 2026 तक प्रदेशभर में ओबीसी परिवारों का राज्यव्यापी डिजिटल सर्वेक्षण कराया जाएगा। यह सर्वेक्षण माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्देशों एवं राज्य सरकार द्वारा आयोग को सौंपे गए संदर्भों की अनुपालना में किया जा रहा है।

आयोग के जनसंपर्क अधिकारी विक्रम राठौड़ ने बताया कि सर्वेक्षण राजधारा सर्वे मोबाइल ऐप के माध्यम से किया जाएगा। इसका उद्देश्य राज्य में ओबीसी वर्ग की वर्तमान सामाजिक, शैक्षणिक, आर्थिक, जनसांख्यिकीय स्थिति तथा स्थानीय निकायों में राजनीतिक प्रतिनिधित्व से संबंधित अद्यतन और तथ्यात्मक आंकड़े जुटाना है, ताकि आयोग वैज्ञानिक एवं विधिसम्मत आधार पर अपनी अनुशंसाएं राज्य सरकार को प्रस्तुत कर सके।

उन्होंने बताया कि सर्वेक्षण के लिए प्रदेशभर में नियुक्त लगभग 51,168 प्रगणक घर-घर जाकर निर्धारित प्रपत्र के अनुसार जानकारी एकत्र करेंगे। संपूर्ण सर्वे प्रक्रिया डिजिटल माध्यम से संचालित होगी तथा आयोग स्तर पर इसकी ऑनलाइन मॉनिटरिंग और गुणवत्ता नियंत्रण सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे आंकड़ों की शुद्धता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता बनी रहे।

सर्वेक्षण के सफल संचालन के लिए आयोग द्वारा जिला स्तर पर नियुक्त 82 नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारी, ब्लॉक स्तर पर 765 नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारी तथा 1,428 मास्टर ट्रेनर्स सहित संबंधित अधिकारियों का प्रशिक्षण 7 जुलाई को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कराया जा चुका है। जिला एवं ब्लॉक प्रशासन के सहयोग से प्रगणकों को आवश्यक प्रशासनिक व्यवस्थाएं और राजधारा सर्वे मोबाइल ऐप का प्रशिक्षण भी उपलब्ध कराया गया है।

आयोग ने सभी जिला कलेक्टरों, स्थानीय निकायों और संबंधित विभागों से सर्वेक्षण के प्रभावी संचालन के लिए आवश्यक सहयोग सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है। इस कार्य के लिए प्रत्येक जिले में अतिरिक्त जिला कलेक्टर को जिला समन्वयक अधिकारी नियुक्त किया गया है। साथ ही प्रगणकों को क्षेत्रीय स्तर पर प्रशासनिक एवं तकनीकी सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश भी जारी किए गए हैं।

आयोग ने प्रदेश के सभी ओबीसी परिवारों से अपील की है कि वे सर्वेक्षण दल को सही, पूर्ण एवं प्रमाणिक जानकारी उपलब्ध कराकर इस महत्वपूर्ण कार्य में सहयोग करें। साथ ही राजनीतिक दलों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों से भी सर्वेक्षण को सफल बनाने में रचनात्मक सहयोग देने का आग्रह किया गया है। आयोग का मानना है कि इस सर्वेक्षण से प्राप्त आंकड़े स्थानीय निकायों में ओबीसी के राजनीतिक प्रतिनिधित्व के संबंध में न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप तथ्यपरक, पारदर्शी और विधिसम्मत अनुशंसाएं तैयार करने का महत्वपूर्ण आधार बनेंगे।

पेरिस में हुआ पुरुषोत्तम पोमल के उपन्यास आश्रम, गर्भ समाधि के फ्लैप कवर का विमोचन

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

संवाददाता : माणकमल भंडारी

भीनमाल। फ्रांस की राजधानी पेरिस में आयोजित वर्ल्ड आयुष फाउंडेशन एवं विश्व हिंदी मंच, भारत के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हिंदी साहित्य, आयुर्वेद एवं योग विषयक अंतरराष्ट्रीय सेमिनार के दौरान साहित्यकार पुरुषोत्तम पोमल के नवीन उपन्यास ह्यआश्रम, गर्भ समाधिह्न के फ्लैप कवर का भव्य विमोचन किया गया। मीडिया प्रभारी एवं संवाददाता माणकमल भंडारी ने बताया कि पेरिस के विश्वविख्यात एफिल टावर परिसर में बड़ी संख्या में उपस्थित प्रतिनिधियों के बीच यह लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपन्यास की विषयवस्तु और भारतीय दर्शन पर आधारित इसकी अवधारणा की भी सराहना की गई।

उपन्यास ह्यआश्रम, गर्भ समाधिह्न की कथा ब्रह्मांडीय न्याय और देवत्व की अवधारणा से प्रारंभ होकर मां के गर्भ में जीवन की आध्यात्मिक यात्रा, जन्म, सांसारिक मोह-माया और अंततः मृत्यु तक के दार्शनिक चिंतन को प्रस्तुत करती है। इसमें गर्भवती मां को सृष्टि की प्रथम पूजनीय शक्ति के रूप में चित्रित

किया गया है। कार्यक्रम में पुरुषोत्तम पोमल द्वारा हिंदी साहित्य, आयुर्वेद और योग पर प्रस्तुत शोधपरक आलेख भी विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में भारत से साहित्यकारों, व्याख्याताओं एवं आयुर्वेदाचार्यों सहित कुल 47 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। हिंदी भाषा, भारतीय आयुर्वेद और योग के वैश्विक प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से प्रतिनिधिमंडल ने 10 दिवसीय यूरोप प्रवास के दौरान फ्रांस, स्विट्जरलैंड, ऑस्ट्रिया, लिकटेंस्टाइन, वेटिकन सिटी और इटली के विभिन्न ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक स्थलों का भी भ्रमण किया।

बीपीसीएल ने चलाया स्वच्छता जागरूकता अभियान

राजसमंद @ पदमावत मीडिया। स्वच्छता पखवाड़ा के तहत भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ने राजनगर ट्रांसपोर्ट नगर में स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान पार्किंग क्षेत्र में सफाई अभियान चलाकर 30 से अधिक ड्राइवरों एवं ट्रांसपोर्ट प्रतिनिधियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। फ्लीट सेल्स ऑफिसर अर्पित शुक्ला ने स्मार्टफ्लीट लॉयल्टी प्रोग्राम, ड्राइवर दुर्घटना बीमा, अपना घर विश्राम गृह सहित विभिन्न सुविधाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को हाइजीन किट, टी-शर्ट और कैप भी वितरित किए गए।

10 से 23 जुलाई तक ओबीसी परिवारों का राज्यव्यापी डिजिटल सर्वे

जयपुर @ पदमावत मीडिया। राजस्थान राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग (राजनीतिक प्रतिनिधित्व) आयोग 10 से 23 जुलाई तक प्रदेशभर में ओबीसी परिवारों का डिजिटल सर्वेक्षण करेगा। सर्वेक्षण राजधारा सर्वे मोबाइल ऐप के माध्यम से घर-घर जाकर किया जाएगा, जिसमें सामाजिक, शैक्षणिक, आर्थिक और राजनीतिक प्रतिनिधित्व से जुड़े आंकड़े जुटाए जाएंगे। आयोग के अनुसार सर्वेक्षण के लिए 51 हजार से अधिक प्रगणक नियुक्त किए गए हैं। जिला स्तर पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर को समन्वयक बनाया गया है। आयोग ने ओबीसी परिवारों से सही एवं प्रमाणिक जानकारी देकर सर्वेक्षण में सहयोग करने की अपील की है।

ग्रामीण सेवा शिविर में कृषि भूमि बंटवारे का हुआ समाधान

सलूंबर @ पदमावत मीडिया। पंचायत समिति झल्लारा की ग्राम पंचायत वीरवा कला में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर में राजस्व विभाग ने प्रियंका पत्नी लीलाराम और रीता पत्नी सुरेश की कृषि खातेदारी भूमि का आपसी सहमति से बंटवारा कर वर्षों पुराने प्रकरण का मौके पर ही निस्तारण किया। आवश्यक दस्तावेजी प्रक्रिया पूरी कर आदेश भी जारी किए गए। लाभार्थियों ने त्वरित समाधान पर जिला प्रशासन और राजस्व विभाग का आभार जताते हुए कहा कि शिविरों से समय और धन दोनों की बचत हो रही है।

मुखबिर प्रोत्साहन योजना को मिली रफ्तार, वर्षों से लंबित 30 प्रकरणों का निस्तारण; 18 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। आबकारी आयुक्त नमित मेहता की पहल पर राजस्थान आबकारी विभाग ने मुखबिर प्रोत्साहन योजना के तहत वर्षों से लंबित 30 प्रकरणों का अल्प समय में निस्तारण करते हुए लगभग 18 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की है। विभाग का मानना है कि इससे मुखबिर तंत्र और अधिक मजबूत होगा तथा अवैध मदिरा के निर्माण, भंडारण, परिवहन और बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। आबकारी आयुक्त नमित मेहता ने अप्रैल 2026 में कार्यभार संभालने के बाद विभागीय अधिकारियों को अवैध मदिरा के विरुद्ध निरोधात्मक कार्रवाई तेज करने तथा मुखबिर तंत्र को सशक्त बनाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने मुखबिर प्रोत्साहन योजना के तहत लंबित पुरस्कार प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने के लिए नियमित समीक्षा की। इसी का परिणाम रहा कि प्रदेश के 10 जिलों से जुड़े 30 लंबित मामलों का त्वरित निस्तारण कर संबंधित मुखबिरों के लिए प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की गई। विभाग के अनुसार लंबे समय से लंबित मामलों के निस्तारण के बाद मुखबिरों का विश्वास बढ़ा है, जिससे अवैध मदिरा से जुड़ी विश्वसनीय सूचनाओं में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसी का असर विभाग की कार्रवाई में भी दिखाई दिया। अप्रैल से जून 2026 के बीच आबकारी विभाग ने करीब 6.63 करोड़ रुपये मूल्य की अवैध मदिरा जब्त की, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 1.80 करोड़ रुपये की अवैध मदिरा जब्त हुई थी। इस प्रकार विभाग ने पिछले वर्ष की तुलना में साढ़े तीन गुना से अधिक सफलता हासिल की है। मुखबिर प्रोत्साहन योजना के तहत श्रीगंगानगर, अलवर, डूंगरपुर, उदयपुर, सीकर, अजमेर, राजसमंद, चूरू, बीकानेर और झुंझुनूं जिलों के मुखबिरों को कई वर्षों से लंबित प्रकरणों में लगभग 18 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की गई है। विभाग ने स्पष्ट किया कि मुखबिर की पहचान और उससे संबंधित सभी सूचनाएं पूरी तरह गोपनीय रखी जाती हैं। वित्त विभाग के प्रावधानों के अनुसार यदि किसी मुखबिर की सूचना से 10 लाख रुपये या उससे अधिक की संभावित राजस्व हानि रोकी जाती है, तो सूचना की उपयोगिता के आधार पर अधिकतम 4 प्रतिशत तक प्रोत्साहन राशि दी जा सकती है। हालांकि एक प्रकरण में अधिकतम 15 लाख रुपये तक ही पुरस्कार दिए जाने का प्रावधान है।

इंडियन बैंक की नई शाखा का शुभारंभ, आधुनिक बैंकिंग सुविधाएं अब स्थानीय स्तर पर उपलब्ध

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

संवाददाता : माणकमल भंडारी

भीनमाल। रेलवे स्टेशन के सामने इंडियन बैंक की नई शाखा का शुभारंभ गरिमामय समारोह के साथ किया गया। नई शाखा के शुरू होने से शहर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को आधुनिक एवं डिजिटल बैंकिंग सेवाओं का लाभ स्थानीय स्तर पर मिल सकेगा।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए अंचल प्रबंधक पवनकुमार गुप्ता ने कहा कि इंडियन बैंक का उद्देश्य केवल बैंकिंग सेवाएं प्रदान करना नहीं, बल्कि ग्राहकों के साथ विश्वास, पारदर्शिता और बेहतर सेवा का मजबूत संबंध स्थापित करना है। उन्होंने बताया कि नई शाखा के माध्यम से डिजिटल बैंकिंग, बचत एवं चालू खाते, ऋण सुविधाएं, कृषि एवं व्यापारिक वित्त, सरकारी योजनाओं से जुड़ी सेवाएं तथा अन्य आधुनिक बैंकिंग उत्पाद एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगे।

उप अंचल प्रबंधक नितेश दोशी ने कहा कि बैंक ग्राहकों की आवश्यकताओं के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने सुरक्षित डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने और अधिक से अधिक लोगों को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ने का आह्वान किया।

मुख्य अतिथि प्रेमराज बोहरा ने नई शाखा के शुभारंभ को भीनमाल के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि बढ़ती व्यापारिक गतिविधियों के बीच सुदृढ़ बैंकिंग व्यवस्था समय की आवश्यकता है। विशिष्ट अतिथि नरेश अग्रवाल ने कहा कि किसी भी क्षेत्र के आर्थिक विकास में बैंकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। व्यवसायी देवेंद्र भंडारी ने भी नई शाखा के शुभारंभ पर शुभकामनाएं दीं।

शाखा प्रबंधक हरिमोहन मीणा ने अतिथियों एवं उपस्थित नागरिकों का स्वागत करते हुए बैंक की विभिन्न योजनाओं और सेवाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि शाखा ग्राहकों को सरल, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए सदैव तत्पर रहेगी।

मीडिया प्रभारी माणकमल भंडारी ने बताया कि समारोह में अंचल प्रबंधक पवनकुमार गुप्ता, उप अंचल प्रबंधक नितेश दोशी, चीफ मैनेजर अक्षय शर्मा, शाखा प्रबंधक हरिमोहन मीणा, प्रबंधक ए. डब्ल्यू. जॉन, सहायक प्रबंधक चिराग अग्रवाल, सहायक शाखा प्रबंधक राजकुमार मीणा, सीएसए दीपाली भाटी, मुख्य अतिथि प्रेमराज बोहरा, विशिष्ट अतिथि नरेश अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

मोटापा निवारण योग शिविर शुरू, पहले दिन प्रतिभागियों ने घटाया वजन

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। राजकीय आदर्श आयुर्वेद औषधालय सिंधी बाजार एवं पतंजलि योग समिति के संयुक्त तत्वावधान में

पांच दिवसीय निःशुल्क मोटापा निवारण इंटीग्रेटेड योग शिविर का शुभारंभ हुआ। पहले दिन प्रतिभागियों ने पावर योगा, सूर्य नमस्कार और प्राणायाम का अभ्यास किया। शिविर में जगदीश पटेल ने 500 ग्राम तथा चेतना सुथार ने 1 किलोग्राम वजन कम किया। शिविर प्रभारी डॉ. शोभालाल औदीच्य ने संतुलित आहार, जंक फूड से परहेज और नियमित योग को मोटापा नियंत्रण के लिए प्रभावी बताया। योग प्रशिक्षक अशोक जैन ने बताया कि शिविर 12 जुलाई तक प्रतिदिन प्रातः सिंधी बाजार स्थित योग हॉल में आयोजित किया जाएगा।

उपभोक्ता अधिकारों पर विद्यार्थियों को किया जागरूक

जैसलमेर @ पदमावत मीडिया। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के तत्वावधान में अमर शहीद सागरमल गोपा राजकीय उच्च

माध्यमिक विद्यालय में उपभोक्ता जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। प्रांत अध्यक्ष रमेश गौड़ ने कहा कि जागरूक उपभोक्ता ही परिवार, समाज और राष्ट्रहित का सच्चा प्रहरी होता है तथा विद्यार्थियों से अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति सजग रहने का आह्वान किया। कार्यशाला में उपभोक्ता अधिकार, गुणवत्तापूर्ण वस्तुओं की पहचान, बिल लेने की आवश्यकता और शिकायत निवारण प्रक्रिया की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में महेश वासु, लक्ष्मीनारायण श्रीमाली, मनोहर केला, महेश शर्मा सहित विद्यालय के शिक्षक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

नशा मुक्त भारत अभियान पर कार्यशाला आयोजित

राजसमंद @ पदमावत मीडिया। नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जिला परिषद सभागार में पुलिस, शिक्षा एवं सामाजिक न्याय

एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त तत्वावधान में कार्यशाला आयोजित हुई। जिला कलेक्टर अरुण कुमार हसीजा ने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने विद्यालयों में जागरूकता गतिविधियां बढ़ाने पर जोर दिया। पुलिस अधीक्षक हेमंत कलाल ने कहा कि नशे के विरुद्ध जनजागरूकता सबसे प्रभावी हथियार है और सभी पीईईओ की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका है। कार्यशाला के अंत में अधिकारियों और प्रतिभागियों ने नशा मुक्त समाज के निर्माण की शपथ ली।

43.58 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ नष्ट

श्री विजयपुरम @ पदमावत मीडिया। अंडमान एवं निकोबार पुलिस ने राष्ट्रीय ड्रग

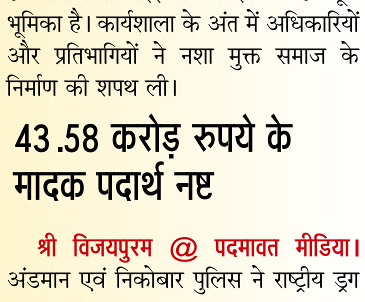

डिस्पोजल अभियान के तहत 63 एनडीपीएस मामलों में जब्त 43.58 करोड़ रुपये मूल्य के 69.534 किलोग्राम मादक एवं मनःप्रभावी पदार्थों का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण किया। जब्त सामग्री में गांजा, मेथामफेटामाइन, मेथाक्वालोन और कोकीन शामिल थे। पुलिस ने बताया कि मादक पदार्थों का निस्तारण सभी कानूनी और पर्यावरणीय मानकों का पालन करते हुए अधिकृत वैज्ञानिक भट्टी में किया गया। पुलिस ने नशे के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति जारी रखने और नागरिकों से संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देने की अपील की।

महिला सुरक्षा संकल्प अभियान को मिला जनसमर्थन : महिला वॉलंटियर्स के साथ संवाद एवं सम्मान समारोह सफलतापूर्वक सम्पन्न

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। राजस्थान पुलिस मुख्यालय के निदेशानुसार संचालित महिला सुरक्षा संकल्प अभियान के तहत उदयपुर पुलिस द्वारा मोहनलाल सुखाड़िया रंगमंच सभागार में महिला वॉलंटियर्स के साथ संवाद एवं महिला सम्मान समारोह का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला वॉलंटियर्स, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा सहयोगिनी, जनप्रतिनिधि, शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि, महिला अधिवक्ता, विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा जिलेभर से आई महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर महिला सुरक्षा एवं जागरूकता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित भी किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन ने कहा कि महिला सुरक्षा केवल पुलिस की नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने महिलाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों तथा राजस्थान पुलिस द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान महिला हेल्पलाइन 1090, राजकॉप एप, महिला आत्मरक्षा प्रशिक्षण, महिला बीट अधिकारी योजना तथा कालिका पेट्रोलिंग यूनिट सहित विभिन्न सुरक्षा

सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए महिलाओं से इनका अधिकतम उपयोग करने और अन्य लोगों को भी जागरूक करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में एमबी चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ. आर.एल. सुमन ने महिलाओं के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य, नियमित स्वास्थ्य जांच और पोषण के महत्व पर प्रकाश डाला। पुलिस उप अधीक्षक विनय चौधरी ने साइबर अपराध, ऑनलाइन ठगी, डिजिटल सुरक्षा, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग तथा साइबर हेल्पलाइन 1930 की जानकारी दी। वहीं पुलिस उप अधीक्षक छवि शर्मा ने राजकॉप एप, वरिष्ठजन सुरक्षा योजना और पुलिस की नागरिक हितैषी सेवाओं के बारे में जानकारी साझा की।

पुलिस निरीक्षक टीना ने कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा, विशाखा गाइडलाइन और पॉश (ढडरल) अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी दी। उप निरीक्षक हितेश यादव ने नौकर एवं किरायेदार सत्यापन की प्रक्रिया समझाई। इसके अलावा सीडब्ल्यूसी की सदस्य यशोदा पंड्या तथा राजस्थान बाल आयोग के पूर्व सदस्य शैलेन्द्र पंड्या ने बाल अधिकारों और उनके संरक्षण से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी। अन्य विशेषज्ञ वक्ताओं ने महिला अपराधों से संबंधित कानूनी प्रावधानों और सुरक्षा उपायों पर भी विस्तृत जानकारी साझा की। कार्यक्रम का संचालन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चेतना भाटी एवं पुलिस निरीक्षक पूनाराम ने किया। अंत में नोडल अधिकारी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (महिला अपराध एवं अनुसंधान प्रकोष्ठ) माधुरी वर्मा ने सभी अतिथियों, वक्ताओं और उपस्थित महिलाओं का आभार व्यक्त करते हुए महिला सुरक्षा के इस जनजागरूकता अभियान को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया।

महिला सुरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं का सम्मान : अनीता प्रजापत को मिला पुलिस सम्मान

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। महिला सुरक्षा संकल्प जागरूकता अभियान के अंतर्गत उदयपुर पुलिस द्वारा आयोजित भव्य महिला वॉलंटियर्स संवाद एवं महिला सम्मान समारोह में अनीता प्रजापत, विधिक परामर्शदाता, महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र, पुलिस थाना नाई को महिला सुरक्षा, विधिक जागरूकता और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं समर्पित सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन ने उन्हें प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर उनके कार्यों की सराहना करते हुए समाज के प्रति उनके योगदान को प्रेरणादायी बताया। मोहनलाल सुखाड़िया रंगमंच सभागार में आयोजित समारोह में जिलेभर से महिला वॉलंटियर्स, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा सहयोगिनी,

विभिन्न विभागों के अधिकारी, शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में महिलाओं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों, सुरक्षा उपायों एवं आत्मरक्षा के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ समाज में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित करना था।

अनीता प्रजापत लंबे समय से महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र, पुलिस थाना नाई के माध्यम से महिलाओं को विधिक मार्गदर्शन, अधिकारों की जानकारी तथा आवश्यक सहायता उपलब्ध करा रही हैं। उनके सतत प्रयासों से अनेक महिलाओं को समय पर कानूनी सलाह और सहयोग प्राप्त हुआ है। महिला सुरक्षा और जनजागरूकता के क्षेत्र में उनकी सक्रिय भूमिका को देखते हुए उदयपुर पुलिस ने उन्हें इस सम्मान से नवाजा।

सम्मान प्राप्त करने के बाद अनीता प्रजापत ने इसे अपने लिए गर्व का क्षण बताते हुए कहा कि यह सम्मान उन्हें महिला सुरक्षा, न्याय और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में और अधिक समर्पण के साथ कार्य करने की नई प्रेरणा देगा। उन्होंने इस सम्मान के लिए उदयपुर पुलिस एवं जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन का आभार व्यक्त किया।

अज्ञात युवक की ट्रेन से कटकर मौत, परिजनों की तलाश में जुटी हिरणमगरी थाना पुलिस

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। हिरणमगरी थाना पुलिस एक अज्ञात युवक की पहचान और उसके परिजनों की तलाश में जुटी हुई है। पुलिस के अनुसार 7 जुलाई 2026 की रात करीब 8:25 बजे उदयपुर सिटी रेलवे स्टेशन के आगे ओएचई पोल संख्या 119/17 के पास असारवा-इंदौर एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 19316) की चपेट में आने से एक अज्ञात युवक की मृत्यु हो गई। घटना के बाद शव को एमबी चिकित्सालय के मुर्दाघर में सुरक्षित रखवाया गया है। पुलिस के अनुसार मृतक की आयु लगभग 35 से 38 वर्ष है। उसका चेहरा गोल, हल्की दाढ़ी,

सिर के आगे और पीछे कम बाल हैं। घटना के समय उसने गहरे पहाड़ी रंग की सफेद फूलों वाली शर्ट, हल्के हरे रंग की पैंट, काले मोजे, टप कंपनी के काले लोफर जूते तथा विक्टोरिया कंपनी का अंतःवस्त्र पहन रखा था। हिरणमगरी थाना पुलिस ने आमजन से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति को मृतक की पहचान अथवा उसके परिजनों के संबंध में कोई जानकारी हो तो संपर्क करे।

आईएसआई जूनियर रिसर्च फेलोशिप में उदयपुर के यशुराज जोशी ने किया कमाल, देशभर में हासिल की दूसरी रैंक

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। उदयपुर के प्रतिभाशाली युवा यशुराज जोशी ने भारतीय सांख्यिकी संस्थान (आईएसआई) की वर्ष 2026 की जूनियर रिसर्च फेलोशिप (मात्रात्मक अर्थशास्त्र) प्रवेश प्रक्रिया में अखिल भारतीय स्तर पर द्वितीय रैंक प्राप्त कर शहर और राजस्थान का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। देश की सबसे प्रतिष्ठित शोध प्रवेश परीक्षाओं में शामिल इस परीक्षा में उनकी सफलता को शिक्षा जगत की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

भारतीय सांख्यिकी संस्थान द्वारा जारी आधिकारिक मेरिट सूची में यशुराज का पंजीकरण क्रमांक खदए-ऊ्र-ए052 द्वितीय स्थान पर दर्ज है। उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर उन्हें संस्थान की ओर से अनंतिम प्रवेश (प्रोविजनल एडमिशन) का प्रस्ताव भी दिया गया है।

यशुराज, उदयपुर के प्रख्यात शिक्षक एवं प्रस्तर शिल्पकार हेमन्त जोशी के पुत्र हैं। उन्होंने लिखित परीक्षा के साथ-साथ साक्षात्कार में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए देशभर के प्रतिभाशाली अभ्यर्थियों के बीच यह उल्लेखनीय स्थान हासिल किया। आईएसआई की यह प्रवेश प्रक्रिया अत्यंत प्रतिस्पर्धी मानी जाती है, जिसमें सफल अभ्यर्थियों को अर्थशास्त्र के क्षेत्र में उच्च स्तरीय शोध और अकादमिक अध्ययन का अवसर मिलता है।

वर्तमान में भुवाणा स्थित नवरत्न

कॉम्प्लेक्स निवासी यशुराज की इस उपलब्धि से परिवार, शिक्षकों और शुभचिंतकों में खुशी का माहौल है। शिक्षा जगत के विशेषज्ञों ने इसे उदयपुर के लिए गर्व का विषय बताते हुए कहा कि यह सफलता प्रदेश के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी और उन्हें उच्च शिक्षा एवं शोध के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करेगी।

यशुराज जोशी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, गुरुजनों और निरंतर मेहनत को देते हुए कहा कि स्पष्ट लक्ष्य, अनुशासित अध्ययन और आत्मविश्वास किसी भी बड़ी सफलता की सबसे मजबूत नींव होते हैं। उनकी इस उपलब्धि पर विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक एवं बौद्धिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी हैं।

ऑपरेशन नीलमणि सफल : 1.84 लाख का इनामी ड्रग माफिया सुनील मीणा एमपी से गिरफ्तार, 8 माह की रणनीति के बाद एएनटीएफ की बड़ी कार्रवाई

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

जयपुर। राजस्थान पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने ऑपरेशन नीलमणि के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए राजस्थान और मध्य प्रदेश में लंबे समय से वांछित 1.84 लाख रुपये के इनामी अंतरराज्यीय ड्रग माफिया सुनील मीणा (27) को मध्य प्रदेश के नीमच जिले के जीरन क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। करीब आठ माह तक चली निगरानी, तकनीकी विश्लेषण और गुप्त अभियान के बाद एएनटीएफ ने घने जंगलों में छिपे इस कुख्यात तस्कर को दबोचने में सफलता प्राप्त की।

एएनटीएफ के महानिरीक्षक विकास कुमार ने बताया कि सुनील मीणा राजस्थान पुलिस की नार्को टॉप-25 सूची में शामिल था। उसके विरुद्ध राजस्थान, मध्य प्रदेश तथा नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) में एनडीपीएस अधिनियम, आर्म्स एक्ट, हत्या के प्रयास और धोखाधड़ी सहित 19 से अधिक गंभीर प्रकरण दर्ज हैं। उस पर राजस्थान अपराध शाखा द्वारा एक लाख रुपये, पाली पुलिस द्वारा 50 हजार रुपये, मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा 15 हजार रुपये तथा उदयपुर पुलिस एवं एनसीबी द्वारा दो-दो हजार रुपये का इनाम घोषित था।

जांच में सामने आया कि सुनील ने वर्ष 2014 में महज 15 वर्ष की आयु में डोडा-चूरा तस्करी में एस्कॉर्ट वाहन चालक के रूप में अपराध की दुनिया में कदम रखा था। शुरूआत

में वह प्रति वाहन 500 रुपये लेकर तस्करों की मदद करता था, लेकिन बाद में उसने स्वयं मध्य प्रदेश से राजस्थान तक मादक पदार्थों की सप्लाई शुरू कर दी। समय के साथ वह तस्करी गिरोहों का प्रमुख सदस्य बन गया और पुलिस कार्रवाई के दौरान हथियारों से फायरिंग कर तस्करी का माल सुरक्षित निकालने के लिए कुख्यात हो गया।

पुलिस के अनुसार सुनील ने पाली जिले के सांडेराव और देसूरी, प्रतापगढ़ जिले के छोटी सादड़ी तथा मध्य प्रदेश के जीरन थाना क्षेत्र में पुलिस टीमों पर फायरिंग की घटनाओं को अंजाम दिया था। इसी कारण वह दोनों राज्यों की पुलिस के लिए सबसे वांछित अपराधियों में शामिल था।

उसकी गिरफ्तारी के लिए एएनटीएफ ने विशेष रणनीति बनाई। एक जवान को 15 दिन पहले चरवाहे के वेश में इलाके में भेजा गया, जिसने जंगलों और गांव में उसकी गतिविधियों की रेकी की। जांच में पता चला कि सुनील जंगल में छिपकर रहता था और उसकी पत्नी तथा सहयोगी विशेष संकेतों के माध्यम से उसे भोजन पहुंचाते थे। पुलिस ने तकनीकी निगरानी के साथ लगातार उसकी गतिविधियों पर नजर बनाए रखी।

7 जुलाई की रात तेज बारिश के दौरान एएनटीएफ ने उसके संभावित ठिकाने पर घेराबंदी कर दबिश दी। प्रारंभिक पूछताछ में परिजनों ने उसके घर में होने से इनकार किया, लेकिन तलाशी के दौरान वह घर के भीतर एक बड़े ड्रम के पीछे रजाई ओढ़कर छिपा मिला। गिरफ्तारी के समय उसने अपना नाम बदलकर पुलिस को गुमराह करने का प्रयास किया, लेकिन पूछताछ में उसकी पहचान की पुष्टि हो गई। स्थानीय गिरोह के हमले की आशंका को देखते हुए एएनटीएफ टीम तत्काल उसे सुरक्षित राजस्थान ले आई।

इस कार्रवाई में प्रतापगढ़ जिला पुलिस का भी महत्वपूर्ण सहयोग रहा। सीमा क्षेत्र की भौगोलिक जानकारी के कारण संयुक्त रणनीति के तहत पुलिस टीम सीधे आरोपी तक पहुंचने में सफल रही।

पुलिस ने आरोपी का मोबाइल फोन भी जब्त कर लिया है। इसकी फोरेंसिक जांच के माध्यम से अंतरराज्यीय मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क, सहयोगियों तथा अन्य फरार आरोपियों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारियां मिलने की संभावना है। मामले में आगे की जांच जारी है।

एएनटीएफ ने आमजन से अपील की है कि मादक पदार्थों की तस्करी अथवा अन्य आपराधिक गतिविधियों से संबंधित कोई भी सूचना नियंत्रण कक्ष या व्हाट्सएप के माध्यम से दें। सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

राजस्थान समान नागरिक संहिता पर 10-11 जुलाई को संभाग स्तरीय जनसुनवाई, आमजन से लिए जाएंगे सुझाव

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

जयपुर। राजस्थान सरकार समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के प्रारूप को लेकर आमजन की राय जानने के लिए 10 और 11 जुलाई को जयपुर में दो दिवसीय संभाग स्तरीय जनसुनवाई आयोजित करेगी। जिला कलेक्टर सभागार में होने वाली इस जनसुनवाई में नागरिक, जनप्रतिनिधि, विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधि, अधिवक्ता, शिक्षाविद, सामाजिक संगठन और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि अपने सुझाव प्रस्तुत कर सकेंगे। राजस्थान समान नागरिक संहिता-2026 समिति के अध्यक्ष सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी शत्रुघ्न सिंह होंगे। समिति में संभागीय आयुक्त जयपुर समन्वयक के रूप में तथा गृह विभाग के प्रतिनिधि, जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट जयपुर, उप विधि परामर्शी सहित विभिन्न प्रशासनिक अधिकारी और जिला कलेक्टर द्वारा नामित विशेषज्ञ सदस्य शामिल रहेंगे।

10 जुलाई को सुबह 10 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक निर्वाचित जनप्रतिनिधियों, नगर निकायों के अध्यक्षों, विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधियों, अधिवक्ताओं, शिक्षाविदों, सामाजिक संगठनों, प्रबुद्ध नागरिकों और मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से सुझाव लिए जाएंगे। इसके बाद दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक जयपुर संभाग के विभिन्न जिलों से आए आम नागरिकों की जनसुनवाई होगी। 11 जुलाई को सुबह 10 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक जयपुर जिले के शेष नागरिकों से समिति सदस्य डॉ. शुचि चौहान सुझाव प्राप्त करेंगी।

संभागीय आयुक्त वे. सरवण कुमार ने जिला कलेक्टर जयपुर को जनसुनवाई के सफल आयोजन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने तथा अधिकतम जनभागीदारी के लिए संबंधित संस्थाओं, संगठनों और हितधारकों को आमंत्रित करने के निर्देश दिए हैं।

समान नागरिक संहिता के प्रस्तावित दायरे में विवाह, विवाह विच्छेद (तलाक), भरण-

पोषण, उत्तराधिकार तथा लिव-इन रिलेशनशिप जैसे विषय शामिल हैं। सरकार के अनुसार इसका उद्देश्य विभिन्न समुदायों के लिए समान कानूनी प्रक्रियाएं सुनिश्चित करना, लैंगिक न्याय को बढ़ावा देना, महिलाओं को समान अधिकार प्रदान करना, न्यायिक प्रक्रिया को सरल बनाना तथा राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता को मजबूत करना है।

राज्य सरकार ने नागरिकों से सुझाव प्राप्त करने के लिए ऑनलाइन पोर्टल भी शुरू किया है, जहां व्यक्ति या संस्थाएं अपने सुझाव दर्ज कर सकती हैं। पोर्टल पर 19 प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' या 'नहीं' में देने के साथ विस्तृत सुझाव और संबंधित दस्तावेज भी अपलोड किए जा सकेंगे। पूरी प्रक्रिया गोपनीय रखी जाएगी।

जनसुनवाई और ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से नागरिकों से यह राय भी ली जाएगी कि क्या वे समान नागरिक संहिता के प्रावधानों से परिचित हैं, क्या राजस्थान में इसे लागू किए जाने के पक्ष में हैं, क्या विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, वसीयत और लिव-इन संबंधों को इसमें शामिल किया जाना चाहिए, क्या महिलाओं और पुरुषों को समान संपत्ति अधिकार मिलने चाहिए, क्या बहुविवाह महिलाओं के अधिकारों को प्रभावित करता है तथा क्या यूसीसी से सामाजिक कुरीतियों और लैंगिक भेदभाव को समाप्त करने में सहायता मिलेगी। गृह विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे इस महत्वपूर्ण विषय पर अपने सुझाव देकर नीति निर्माण की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाएं, ताकि व्यापक जनभागीदारी के आधार पर एक व्यावहारिक और सर्वसमावेशी मसौदा तैयार किया जा सके।

जैविक खेती दीर्घकालिक कृषि का बेहतर विकल्प : प्रो. उमाशंकर शर्मा

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। विज्ञान समिति एवं डॉ. डी.एस. कोठारी संस्थान की संयुक्त प्रौद्योगिकी व्याख्यानमाला में पूर्व कुलपति प्रो. उमाशंकर शर्मा ने कहा कि जैविक खेती टिकाऊ, पर्यावरण-अनुकूल और दीर्घकालिक कृषि का प्रभावी विकल्प है। उन्होंने बताया कि गोबर की खाद, हरी खाद, फसल चक्र और जैविक कीट नियंत्रण जैसी प्राकृतिक विधियां मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने के साथ सुरक्षित एवं पौष्टिक खाद्य उत्पादन में सहायक हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. के.एल. कोठारी ने की। इस अवसर पर प्रो. महीप भटनागर, डॉ. के.पी. तलेसरा, इंजी. आर.के. चतुर, रविन्द्र सुराणा सहित विज्ञान एवं कृषि क्षेत्र से जुड़े अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

ग्रामीण सेवा शिविर में तीन पीढ़ियों से लंबित भूमि विवाद का समाधान

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। ग्रामीण सेवा शिविर-2026 के तहत गोगुंदा तहसील

की ग्राम पंचायत मोड़ी में तीन पीढ़ियों से लंबित 27 बीघा भूमि का 27 खातेदारों के बीच आपसी सहमति से बंटवारा कराया गया। प्रशासन के समन्वित प्रयासों से सभी पक्षों की सहमति बनाकर राजस्व प्रकरण का मौके पर निस्तारण किया गया, जिससे भविष्य के भूमि विवादों की संभावना कम होगी। जिला प्रशासन ने बताया कि आज ग्राम पंचायत कालीवास, पोपल्टी, सुलावास, सोमाखेड़ा, कविता, जेवाणा, लोपड़ा सहित विभिन्न ग्राम पंचायतों में ग्रामीण सेवा शिविर आयोजित होंगे।

ग्रामीण सेवा शिविर में पट्टे वितरित, योजनाओं का मिला लाभ

प्रतापगढ़ @ पदमावत मीडिया। ग्राम पंचायत बम्बोरी में आयोजित ग्रामीण सेवा

शिविर में राजस्व प्रकरणों का मौके पर निस्तारण करते हुए तीन पात्र लाभार्थियों को आवासीय पट्टे वितरित किए गए। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत चार लाभार्थियों को द्वितीय तथा तीन को तृतीय किश्त जारी करने की प्रक्रिया पूरी की गई, जबकि छह लाभार्थियों को व्यक्तिगत शौचालय योजना का लाभ दिया गया। शिविर में विभिन्न विभागों ने ग्रामीणों को राज्य एवं केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान अधिकारियों ने पौधारोपण कर एक पेड़ मां के नाम अभियान का संदेश भी दिया।

राज्यपाल ने केंद्रीय वित्त मंत्री से की शिष्टाचार भेंट

जयपुर @ पदमावत मीडिया। जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दोनों के बीच विभिन्न समसामयिक विषयों पर चर्चा हुई। यह मुलाकात शिष्टाचार भेंट के रूप में आयोजित की गई।

काव्य

मोनिका डागा आनंद

(रचना स्वरचित व सर्वाधिकार सुरक्षित)

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

जगमग जलना सीखो तुम

अंधियारे में बन प्रकाश पुंज जगमग जलना सीखो तुम,
टूटी हुई उम्मीदों को फिर से हँसकर चुनना सीखों तुम ।
जीवन के संघर्षो से घबराकर क्यों बैठे हो इतने उदास,
हार गए मन से जो तुम फिर कहो कैसे हो पाएगा विकास,
तूफानों से डरकर क्यों बैठे सपनों के तट पर होकर निराश,
नाव तुम्हारी पार लगेगी मन में हो रोशन जब आत्मिक प्रकाश,
दुर्दिन दिनों के अनचाहे मौसम को हिम्मत से हटाना सीखो तुम,
अंधियारे में बन प्रकाश पुंज जगमग जलना सीखो तुम ।
हार को महत्त्व दे क्यों लूटा दिया मन-मस्तिष्क का हुलास,
अँधेरे में विलीन हुआ आनंद बदला हँसी-खुशी का विन्यास,
सपनों को बिखरते देख मन में बसाया निराशा का निवास,
एक तारे के बस टूटने पर खो दी तुमने क्यों अपनी मिठास,
लक्ष्य को करना है हासिल खुद पर यकीन करना सीखो तुम,
अंधियारे में बन प्रकाश पुंज जगमग जलना सीखो तुम ।
सितारों से भरा आसमान राही पग अपने बढ़ा बदल इतिहास,
दुनिया कहे जो कहने दें मन को मत डिगा तू चल बस बिंदास,
परवाह नहीं की हारने की वो ही मिटा सके हार की खटास,
हुनरवान तू तकदीर की दीवारों को ढहा मिटा मन का संत्रास,
सकारात्मकता से असंभव को संभव बनाना सीखो तुम,
अंधियारे में बन प्रकाश पुंज जगमग जलना सीखो तुम ।

अंडमान-निकोबार पुलिस को मिली हाईटेक ताकत

साइबर फॉरेंसिक प्रशिक्षण प्रयोगशाला का शुभारंभ, दो नए फायर टेंडर भी शामिल

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

श्री विजयपुरम। अंडमान एवं निकोबार पुलिस ने आधुनिक पुलिसिंग की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए नेताजी सुभाष चंद्र बोस पुलिस प्रशिक्षण संस्थान (एनएससीबीपीटीआई) में अत्याधुनिक साइबर फॉरेंसिक प्रशिक्षण प्रयोगशाला का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उपराज्यपाल एवं द्वीप विकास एजेंसी के उपाध्यक्ष एडमिरल डी.के. जोशी ने प्रयोगशाला का उद्घाटन करने के साथ ही अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाओं के लिए दो नए अत्याधुनिक फायर टेंडरों को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक तथा प्रशासन एवं पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

नई साइबर फॉरेंसिक प्रशिक्षण प्रयोगशाला का उद्देश्य साइबर अपराधों की बढ़ती चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटना और पुलिस अधिकारियों को डिजिटल साक्ष्यों के वैज्ञानिक संग्रह, संरक्षण, विश्लेषण तथा जांच का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना है। प्रयोगशाला में राइट ब्लॉकर, सीडीआर एवं आईपीडीआर विश्लेषण सॉफ्टवेयर, ई-साक्ष्य टैबलेट, सिम एक्सट्रैक्टर, मोबाइल चेक, साइबर चेक और टू इमेजर जैसे आधुनिक

उपकरण स्थापित किए गए हैं, जिनकी मदद से साइबर अपराधों की जांच अधिक प्रभावी और तकनीकी रूप से सक्षम होगी। इस अवसर पर उपराज्यपाल ने कहा कि बदलती सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए आधुनिक तकनीक को अपनाना और पुलिस बल की क्षमता का निरंतर विकास अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अंडमान एवं निकोबार पुलिस द्वारा तकनीक आधारित पुलिसिंग को बढ़ावा देने और पेशेवर दक्षता विकसित करने के प्रयासों की सराहना की।

पुलिस महानिदेशक ने कहा कि साइबर फॉरेंसिक प्रशिक्षण प्रयोगशाला पुलिस विभाग के आधुनिकीकरण, वैज्ञानिक अनुसंधान और क्षमता निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह सुविधा अधिकारियों को भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 के प्रावधानों के अनुरूप साइबर अपराधों की प्रभावी जांच करने में सक्षम बनाएगी। कार्यक्रम के दौरान अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाओं में शामिल किए गए दो नए फायर टेंडरों को भी सेवा के लिए रवाना किया गया। आधुनिक अग्निशमन प्रणालियों से लैस ये वाहन आपातकालीन स्थितियों में प्रतिक्रिया समय कम करने, अग्निशमन क्षमता बढ़ाने और द्वीपों में नागरिक सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस पहल को अंडमान एवं निकोबार पुलिस और अग्निशमन सेवाओं के आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

राजस्थान बना देश का पहला राज्य: इंटरनेशनल सोलर अलायंस के साथ ऐतिहासिक समझौता, बिजली व्यवस्था में आएगा बड़ा बदलाव

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

जयपुर । राजस्थान ने स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए इंटरनेशनल सोलर अलायंस (आईएसए) के साथ फ्रेमवर्क फॉर एक्शन पर हस्ताक्षर करने वाला देश का पहला राज्य बनने का गौरव प्राप्त किया है। इस समझौते के तहत प्रदेश में सौर ऊर्जा के विस्तार, प्रसारण एवं वितरण तंत्र को सुदृढ़ बनाने, स्मार्ट ग्रिड विकसित करने और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित बिजली प्रबंधन प्रणाली लागू करने की व्यापक कार्ययोजना तैयार की जाएगी, जिससे उपभोक्ताओं को अधिक विश्वसनीय एवं गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध हो सकेगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की उपस्थिति में मुख्यमंत्री निवास पर ऊर्जा विभाग और इंटरनेशनल सोलर अलायंस के बीच इस महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत जलवायु परिवर्तन से निपटने के वैश्विक प्रयासों का नेतृत्व कर रहा है और इंटरनेशनल सोलर अलायंस उसी दूरदर्शी सोच का परिणाम है, जिसने सौर ऊर्जा को वैश्विक जनआंदोलन का स्वरूप दिया है। उन्होंने कहा कि यह समझौता राजस्थान को पारंपरिक ऊर्जा से स्वच्छ एवं नवीकरणीय ऊर्जा की ओर तेजी से अग्रसर करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान आज

22 गीगावाट से अधिक स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता के साथ देश में अग्रणी राज्य है, जबकि प्रदेश की कुल स्वच्छ ऊर्जा क्षमता लगभग 44 गीगावाट तक पहुंच चुकी है। राज्य सरकार ने एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति के तहत 125 गीगावाट स्वच्छ ऊर्जा क्षमता विकसित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। साथ ही बैटरी ऊर्जा भंडारण, स्मार्ट ग्रिड और ऊर्जा संक्रमण को गति देने के लिए कई नई नीतियां लागू की जा रही हैं।

समझौते के तहत वर्ष 2030-35 की ऊर्जा आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए ऊर्जा संक्रमण योजना तैयार की जाएगी। इसमें नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार, बिजली प्रसारण एवं वितरण तंत्र का आधुनिकीकरण, ऊर्जा भंडारण, मांग प्रबंधन, निवेश योग्य परियोजनाओं की पहचान, ऊर्जा मॉडलिंग तथा एआई आधारित डिजिटल प्रणाली को शामिल किया जाएगा। अजमेर विद्युत वितरण निगम में डिजिटल ट्विन तकनीक पर आधारित पायलट परियोजना भी शुरू की जाएगी, जिससे बिजली मांग का सटीक आकलन, बेहतर नेटवर्क योजना और उपभोक्ताओं

को अधिक विश्वसनीय बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी।

ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने कहा कि इस साझेदारी से बिजली सेवाओं के आधुनिकीकरण को नई गति मिलेगी। वहीं इंटरनेशनल सोलर अलायंस के महानिदेशक आशीष खन्ना ने कहा कि राजस्थान के साथ हुआ यह पहला समझौता देश के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में लागू नीतियों के कारण प्रदेश सौर ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी बनकर उभरा है।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने ऊर्जा विभाग की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना में अपेक्षित गति लाने, इसकी नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने तथा पीएम-कुसुम योजना, आरडीएसएस, बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली और ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर जैसी परियोजनाओं में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने वर्षा ऋतु के दौरान विद्युत दुर्घटनाओं की रोकथाम तथा घरेलू उपभोक्ताओं, उद्योगों और किसानों को निर्बाध एवं पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए।

गुना पुलिस ने 18 घंटे में सुलझाई 17 लाख की लूट, चार आरोपी गिरफ्तार

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

भोपाल/ गुना। मध्यप्रदेश के गुना जिले में 17 लाख रुपये की सनसनीखेज लूट का पुलिस ने महज 18 घंटे में खुलासा कर दिया। तकनीकी विश्लेषण, सीसीटीवी फुटेज, मुखबिर तंत्र और त्वरित कार्रवाई के जरिए पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही लूटी गई 16 लाख 77 हजार 100 रुपये की राशि और वारदात में इस्तेमाल वाहन भी बरामद कर लिया गया।

जानकारी के अनुसार, 8 जुलाई को गुना शहर के निचला बाजार रपटे के पास कुंभराज के एक धनिया व्यापारी के कर्मचारी से तीन अज्ञात बदमाशों ने आंखों में स्प्रे कर 17 लाख रुपये से भरा बैग लूट लिया था। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

घटना की गंभीरता को देखते हुए ग्वालियर जोन के पुलिस महानिरीक्षक अरविन्द सक्सेना के निर्देशन, पुलिस उप महानिरीक्षक डॉ. असित यादव के मार्गदर्शन तथा गुना पुलिस अधीक्षक हितिका वासल के नेतृत्व में छह विशेष टीमों का गठन किया गया। आईजी ने स्वयं घटनास्थल का निरीक्षण कर आरोपियों की गिरफ्तारी पर 30 हजार रुपये के इनाम की घोषणा भी की।

जांच के दौरान पुलिस ने शहर और आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज का गहन विश्लेषण किया, जिले की सीमाओं पर सघन नाकाबंदी की तथा तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र की मदद से महज 18 घंटे के भीतर दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में मिली जानकारी के आधार पर उन्हें फरार होने में मदद करने वाले एक आरोपी और मुखबिरी करने वाले एक अन्य आरोपी को भी दबोच लिया गया।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटी गई राशि में से 16 लाख 77 हजार 100 रुपये वारदात में प्रयुक्त वाहन और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य बरामद किए हैं।

निर्वाचन आयोग द्वारा मीडिया और संचार अधिकारियों का तीसरा एक दिवसीय सम्मेलन आयोजित

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

दिल्ली/भीलवाड़ा। निर्वाचन आयोग द्वारा मीडिया और संचार अधिकारियों के तीसरे एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के विभिन्न जिलों से मीडिया नोडल अधिकारियों और सोशल मीडिया नोडल अधिकारियों तथा राज्य जनसंपर्क विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस सम्मेलन में भाग लिया।

सम्मेलन में 10 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के लगभग 200 मीडिया एवं संचार अधिकारी सहित मीडिया नोडल अधिकारी और सोशल मीडिया नोडल अधिकारी, जिला मीडिया नोडल अधिकारी/जिला जनसम्पर्क अधिकारी और संबंधित राज्य जनसंपर्क विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। भीलवाड़ा से जिला जनसंपर्क अधिकारी श्री रविंद्र वैष्णव ने बतौर प्रतिनिधि भाग लिया।

मुख्य चुनाव आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयुक्त डॉ. विवेक जोशी ने सम्मेलन में प्रतिभागियों को संबोधित किया। श्री ज्ञानेश कुमार ने इस बात पर बल दिया कि आयोग की प्रत्येक कार्रवाई भारत के संविधान, चुनावी कानूनों और समय-समय पर जारी किए गए लिखित निर्देशों के आधार पर पारदर्शी तरीके से की जाती है। सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही झूठी खबरों के संबंध में अधिकारियों को आगाह करते हुए उन्होंने कहा कि अधिकारियों को गलत सूचनाओं के प्रसार को रोकने के लिए सक्रिय रूप से काम करने की आवश्यकता है। उन्होंने हाल में सम्पन्न विधानसभा चुनाव का उल्लेख करते हुए कहा कि इनमें अब तक सबसे अधिक हुए मतदान प्रमाण है कि भारतीय मतदाताओं को देश की चुनावी प्रणाली पर कितना भरोसा है।

चुनाव आयुक्त डॉ. विवेक जोशी ने अपने संबोधन में कहा कि आज के डिजिटल युग में, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डीपफेक, भ्रामक जानकारी फैलाने के इरादे से बनाई गई कृत्रिम सामग्री और दुर्भावनापूर्ण सामग्री भी संस्थानों में विश्वास को कम करने के उद्देश्य से प्रेरित होकर फैलाई जा रही है। उन्होंने मीडिया एवं संचार अधिकारियों से आयोग के नियमों, निर्देशों और दिशा-निर्देशों के आधार पर ऐसे प्रयासों से निपटने को कहा।

सम्मेलन का आरंभ चुनाव चक्र के दौरान संचार रणनीतियों के व्यापक अवलोकन के साथ हुआ, जिसमें मतदाता सूची से लेकर मतदान तक, ईसीआईएनईटी, महत्वपूर्ण संवैधानिक प्रावधान, मीडिया मामलों से संबंधित कानून शामिल रहें। प्रेस नोट तैयार करने और उन्हें मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से प्रसारित करने, गलत सूचनाओं और मिथकों से निपटने, निर्वाचन साक्षरता क्लब-ईएलसी के माध्यम से युवा मतदाताओं को शामिल करने और निर्वाचन आयोग की पहल लोगों तक पहुंचाने पर व्यावहारिक सत्र भी आयोजित किए गए।

कार्यक्रम में प्रतिभागियों को समूहों में मतदाता सूची तैयार करने, मतदान प्रक्रिया और मतगणना प्रक्रिया प्रदर्शित की गई, जिसके बाद उन्हें प्रदर्शनी और मीडिया कॉर्नर का निर्देशित भ्रमण कराया गया। इन सत्रों के उपरांत प्रतिभागियों और आयोग के बीच प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किए गए।

राजकीय स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय में जलवायु परिवर्तन जागरूकता विषय पर एक दिवसीय संवाद कार्यक्रम आयोजित

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

भीलवाड़ा। राजकीय स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय में जलवायु परिवर्तन जागरूकता विषय पर एक दिवसीय संवाद कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर सावन कुमार जांगिड़ ने की। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता, सुप्रसिद्ध पर्यावरणविद् प्रोफेसर श्याम सुंदर भट्ट ने अपने उद्बोधन में जलवायु परिवर्तन को वर्तमान समय की सबसे गंभीर वैश्विक चुनौतियों में से एक बताते हुए कहा कि इसके प्रभावों को कम करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण एवं संतुलित उपयोग आवश्यक है। उन्होंने छात्राओं से पर्यावरण संरक्षण को अपनी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाने तथा पर्यावरण-अनुकूल आदतें अपनाने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर बी. एल. जागेटिया ने वैज्ञानिक दृष्टिकोण से जलवायु परिवर्तन के कारणों, प्रभावों तथा पर्यावरण पर पड़ने वाले इसके दीर्घकालिक दुष्प्रभावों पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर प्रोफेसर सुखलाल हिरण एवं प्रोफेसर कश्मीर भट्ट ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए युवा पीढ़ी में पर्यावरणीय चेतना और जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरूकता विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम के अंतर्गत श्जलवायु परिवर्तनश विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा एवं कलात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का प्रभावशाली संदेश प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली विजेता छात्राओं को प्राचार्य एवं अतिथियों द्वारा पुरस्कार एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का प्रभावी एवं सुव्यवस्थित संचालन भूगोल विभागाध्यक्ष प्रगति पांडेय ने किया। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य प्रोफेसर सावन कुमार जांगिड़ ने सभी अतिथियों, संकाय सदस्यों एवं छात्राओं का अभिनंदन करते हुए कहा कि इस प्रकार के ज्ञानवर्धक एवं जन-जागरूकता आधारित कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण के प्रति सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के विभिन्न संकायों के प्राध्यापकगण, व्याख्याता तथा बड़ी संख्या में छात्राओं की सक्रिय एवं उत्साहपूर्ण सहभागिता रही। कार्यक्रम के समापन पर डॉ. प्रियंका मीणा ने सभी अतिथियों, वक्ताओं, संकाय सदस्यों एवं छात्राओं के प्रति आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया।

स्वत्वाधिकारी, संस्थापक, प्रकाशक एवं प्रधान सम्पादक : **पवन मॉगीलाल जैन उर्फ पवन जैन पदमावत, प्रधान कार्यालय** : गणेश नगर, कांदिवली वेस्ट, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत - 400067 से अमुद्रित ऑनलाईन प्रकाशित। **मो. नं.** : +91-95945-42679
e-mail :- padmavatmedia@gmail.com / Web : padmavatmedia.in (नोट : पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुम्बई, महाराष्ट्र होगा। उक्त ई-पेपर को अवैध रूप से छपवाना कानूनी अपराध हैं।